RNI No. 62592/95
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) वर्ष : 31 अंक : 46 सोमवार 10 से 16 फरवरी, 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : ₹3/=

स्वच्छ मोहल्ला स्क्वाड व My GNN पोर्टल का शुभारंभ.... ...2

27 साल बाद दिल्ली में कैसे की बीजेपी ने शानदार वापसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनावों के बाद वोटों की गिनती का काम चल रहा है. वोट काउंटिंग के ट्रेंड्स बता रहे हैं कि बीजेपी यानि भारतीय जनता पार्टी ने 27 साल बाद शानदार वापसी की है. वह दिल्ली में सरकार बनाने के बहुमत की ओर पुख्ता तरीके से जा रही है. दिल्ली के पिछले दो विधानसभा चुनावों में अगर बीजेपी दहाई तक भी नहीं पहुंच रही थी तो इस बार उसने ऐसा क्या कर दिया कि सारी तस्वीर ही बदल गई. क्या हैं इसकी पांच वजहें.

कैसे बीजेपी ने इस बार बाउंस बैक किया. 2015 में आम आदमी पार्टी ने 67 सीटें जीती थीं और बीजेपी को तीन सीटें मिली थीं. 2020 में आप ने अगर 62 सीटें जीतीं तो बीजेपी ने 8 सीटें. इस बार उसकी सीटें काफी बढ़ने वाली हैं. दिल्ली विधानसभा चुनावों में बीजेपी की शानदार वापसी की पांच वजहें क्या हैं.

दिल्ली विधानसभा चुनावों में बीजेपी के शानदार प्रदर्शन की 5 वजहें क्या रहीं

1. मजबूत संगठनात्मक ढांचा– भाजपा ने चुनाव से पहले अपने संगठन को मजबूत किया, जिसमें केंद्रीय मंत्रियों, पदाधिकारियों और सांसदों को विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी सौंपी गई. इस रणनीति के तहत प्रत्येक नेता को दो विधानसभा क्षेत्रों में काम करने का दायित्व दिया गया, जिससे जमीनी स्तर पर पार्टी की पकड़ मजबूत हुई. भाजपा का मजबूत संगठनात्मक ढांचा और कार्यकताओं का नेटवर्क चुनावी बूथ स्तर तक सक्रिय था. पोलिंग बूथ मैनेजमेंट और वोटर आउटरीच में उनकी रणनीति प्रभावी रही।

2. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता– प्रधानमंत्री मोदी की करिश्माई नेतृत्व और उनकी नीतियों की लोकप्रियता ने मतदाताओं को भाजपा की ओर आकर्षित किया, जिससे पार्टी को व्यापक समर्थन मिला।

3. विपक्षी दलों में विभाजन– विपक्षी दलों, विशेषकर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच तालमेल की कमी और अलग-अलग चुनाव लड़ने के निर्णय ने भाजपा के लिए लाभकारी स्थिति उत्पन्न की, जिससे विपक्षी वोटों का विभाजन हुआ. कांग्रेस ने इस बार आम आदमी पार्टी के वोटों को जमकर काटा. बेशक कांग्रेस को इस चुनावों में कोई फायदा नहीं हुआ लेकिन उसने आप का काम तमाम उसी तरह किया, जैसे आप ने हरियाणा में उसे नुकसान पहुंचाया।

4. स्थानीय मुद्दों पर ध्यान– भाजपा ने स्थानीय मुद्दों को प्रमुखता से उठाया और दिल्ली के विकास के लिए ठोस योजनाओं का प्रस्ताव रखा, जिससे मतदाताओं का विश्वास जीतने में सफलता मिली. 'दिल्ली को अनार्की से बचाओह्व जैसे नारों के साथ पार्टी ने अपने समर्थकों को प्रेरित किया. भाजपा ने झुग्गी-झोपड़ियों और अनाधिकृत कॉलोनियों के निवासियों को लक्षित किया. 'जेजे कॉलोनी रेगुलराइजेशन' जैसे वादों और मौजूदा सरकार पर 'विकास की कमी' का आरोप लगाया. इससे उन्हें निर्धन और मध्यम वर्ग के एक हिस्से का समर्थन मिला।

5. सकारात्मक चुनाव प्रचार– पार्टी ने सकारात्मक चुनाव प्रचार पर जोर दिया, जिसमें विकास, सुशासन और बुनियादी सुविधाओं के सुधार पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिससे सबसे बड़ी बात ये भी रही कि बीजेपी ने भी अपने चुनावी वायदों में फ्री बिजली-पानी के साथ और भी सहुलियतें देने की झड़ी लगा दी. इसने भी आम आदमी पार्टी की फ्री की राजनीति पर बुरी तरह असर डाला।

भाजपा की जीत से दिल्ली में अटकी पड़ी केंद्रीय योजनाओं के अमल का रास्ता साफ

नई दिल्ली। दिल्ली की जीत भाजपा के लिए जितनी अहम है, उतनी ही दिल्लीवासियों के लिए भी है। क्योंकि अब उन्हें उन केंद्रीय योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना पड़ेगा, जिससे उन्हें आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार ने अपनी सियासी प्रतिस्पर्धा के चलते अब तक वंचित रखा है। इनमें बुजुर्गों व आम लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ी आयुष्मान भारत, पीएम श्री जैसे प्रमुख स्कीमों सहित शहरी विकास, कृषि व परिवहन मंत्रालय से जुड़ी दर्जनों केंद्रीय योजनाएं शामिल है। जल्द ही दिल्ली के लोगों को इसका लाभ मिलना शुरू हो जाएगा।

इसके साथ ही यमुना की सफाई और वायु प्रदूषण जैसे मुद्दों पर अब दिल्ली में तेजी से काम होता दिखेगा। अभी तक केंद्र से पैसा लेने के बाद भी दिल्ली की आप सरकार का इस तरफ ध्यान नहीं था। यही वजह थी कि हाल ही में चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के लोगों को केंद्रीय योजनाओं से दूर रखने का मुद्दा उठाया था।

उन्होंने कहा था कि आयुष्मान भारत जैसी जिस योजना का पूरा देश लाभ ले रहा है, वहीं दिल्ली के लोगों के इससे वंचित रखा गया है। दिल्ली की आप सरकार के शिक्षा सुधार के दावों पर उन्होंने सवाल उठाए थे और बच्चों से चर्चा में कहा था कि सुना है कि दिल्ली में नौवीं के बाद बच्चों को पास ही नहीं किया जाता है।सिर्फ उन्हीं बच्चों को पास किया जाता है, जिनके पास होने की गारंटी होती है।

उन्हें डर रहता है कि यदि ये दसवीं में फेल हो जाएंगे तो उन सवाल खड़े होंगे। चुनाव प्रचार के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी कृषि से जुड़ी दर्जनों योजनाओं को दिल्ली में लागू न किए जाने का मुद्दा उठाया था और इसे लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र भी लिखा था।

उन्होंने कहा था दुख होता है कि कृषि से जुड़ी जिन योजनाओं का लाभ देश भर का किसान ले रहा है, उन्हीं योजनाओं का लाभ वे दिल्ली के अपने किसानों को नहीं दे पा रहे हैं। दिल्ली की जीत भाजपा के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि केंद्र में बड़ी जीत के बाद भी राष्ट्रीय राजधानी में ही दूसरे दल की सरकार थी।

कौन बनेगा दिल्ली का मुख्यमंत्री?

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत के बाद अब मुख्यमंत्री के नाम पर चर्चा शुरू हो गई है। भाजपा ने किसी को भी अपना चेहरा घोषित नहीं किया था। संभावित दावेदारों में अरविंद केजरीवाल को हराने वाले प्रवेश वर्मा के साथ सतीश उपाध्याय, विजेंद्र गुप्ता, रेखा गुप्ता और आशीष सूद के नाम की अटकले लगाई जा रही हैं।

अगले 10 दिन में होगी नाम की घोषणा

विधानसभा चुनाव प्रभारी बैजयंत जय पांडा का कहना है कि अगले 10 दिनों में मुख्यमंत्री का नाम घोषित हो जाएगा। लेकिन, कई नेताओं का कहना है कि मुख्यमंत्री के नाम पर निर्णय इससे पहले कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री के साथ ही उपमुख्यमंत्री पद भी किसी को मिल सकता है।

पार्टी पूर्वांचलियों पर खेल सकती दांव

इसी वर्ष बिहार में चुनाव है। विधानसभा चुनाव प्रचार में पूर्वांचलियों को लेकर खूब राजनीति हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनाव प्रचार के साथ ही चुनाव के बाद के अपने भाषण में पूर्वांचलियों का उल्लेख किया है। इससे किसी पूर्वांचली को उपमुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। 70 सदस्यीय विधानसभा में 10 प्रतिशत को मंत्रिमंडल में स्थान मिलता है। मुख्यमंत्री सहित सात मंत्री होते हैं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री पद के दावेदार

प्रवेश वर्मा: पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा ने नई दिल्ली सीट से आप संयोजक व पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पराजित किया है। वह पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के पुत्र हैं। केजरीवाल को हराने के कारण उनकी मजबूत दावेदारी है। वह दो बार सांसद व एक बार विधायक रह चुके हैं। इन्हें मुख्यमंत्री बनाकर दिल्ली देहात के साथ ही राजस्थान, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जाटों को संदेश दिया जा सकता है।

सतीश उपाध्याय: मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए सतीश उपाध्याय दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। नगर निगम के स्थायी समिति के चेयरमैन रहने के साथ ही नई दिल्ली नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। इस समय मध्य प्रदेश भाजपा के सह प्रभारी हैं। मूलरूप से आगरा के रहने वाले हैं।

विजेंद्र गुप्ता: दिल्ली विधानसभा के निवर्तमान नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता वर्ष 2015 व 2020 में जब आप की लहर थी, उस समय भी रोहिणी से विधायक चुने गए थे। पार्टी ने उन्हें 2015 में भी नेता प्रतिपक्ष बनाया था। इन्हें मुख्यमंत्री बनाकर पार्टी वैश्य समाज में अपनी पकड़ को और मजबूत कर सकती है।

रेखा गुप्ता: शालीमार बाग से चुनाव जीतने वाली रेखा गुप्ता भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। प्रदेश भाजपा की पूर्व महामंत्री रहने के साथ ही वर्तमान समय में निगम पार्षद हैं।

आशीष सूद: जनकपुरी से विजयी रहे आशीष सूद दिल्ली में पार्टी के पंजाबी चेहरा हैं। प्रदेश भाजपा में महामंत्री व उपाध्यक्ष रह चुके हैं। इस समय गोवा व जम्मू कश्मीर के सह प्रभारी हैं।

यूपी है योगी के साथ, 10 में दिए नंबर आठ

उत्तर प्रदेश विधानसभा के हालिया उपचुनावों में ढाई महीने में एनडीए गठबंधन को मिली आठवीं जीत

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। नवंबर 2024 से फरवरी 2025। महज ढाई महीने के अंतराल पर हुए उपचुनावों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी गठबंधन ने आठ सीटों पर जीत हासिल की। योगी के नेतृत्व में सुशासन और सुदृढ़ कानून व्यवस्था पर मतदाताओं ने विश्वास की मुहर लगाई और यूपी के 10 सीटों पर हालिया उपचुनाव में 8 पर एनडीए को वोट देकर मतदाताओं ने बता दिया कि वे योगी के साथ थे, हैं और रहेंगे। योगी के नेतृत्व में नवंबर में न सिर्फ कुंदरकी में भाजपा का कमल खिला, बल्कि कटेहरी व मिल्कीपुर में भी सपा का तिलिस्म टूटा। तीनों सीटों पर भारतीय जनता पार्टी ने साइकिल को पंचर किया और अपने कार्यकर्ता को 'लखनऊ' पहुंचाया। यही नहीं, 10 में से सात पर कमल खिला तो एक सीट (मीरापुर) पर सहयोगी दल रालोद के हैंडपंप से भी विकास की गंगा बही।

- योगी के नेतृत्व में सुशासन और सुदृढ़ कानून व्यवस्था पर आमजन ने लगाई विश्वास की मुहर
- हालिया उपचुनावों में कुंदरकी में मिली भाजपा को सबसे बड़ी जीत, गाजियाबाद दूसरे व मिल्कीपुर में तीसरे सबसे बड़े अंतर से खिला कमल
- सपा के परिवारवाद पर हावी रहा भाजपा का राष्ट्रवाद, कुंदरकी, कटेहरी व मिल्कीपुर में टूटा सपा का तिलिस्म

कुंदरकी में मिली सबसे बड़ी जीत, गाजियाबाद दूसरे व मिल्कीपुर तीसरे स्थान पर

यूपी के हालिया उपचुनावों में भारतीय जनता पार्टी को सबसे बड़ी जीत समाजवादी पार्टी के गढ़ रहे कुंदरकी में मिली। यहां भाजपा के रामवीर सिंह ने 170371 वोट हासिल किए। उन्हें 144791 से एकतरफा जीत मिली। गाजियाबाद उपचुनाव में पार्टी ने महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा को टिकट थमाया।

संजीव ने 69351 से जीत हासिल की। वहीं अयोध्या में संसदीय चुनाव के आठ महीने बाद मिल्कीपुर ने भी सपा की साइकिल को पंचर कर दिया। यहां भाजपा को तीसरी सबसे बड़ी जीत मिली। चंद्रभानु पासवान यहां 61710 से जीत दर्ज करने में सफल हुए।

कटेहरी में तीन दशक बाद कमल का कमाल, 34514 वोट से दर्ज की जीत

कटेहरी में लगभग तीन दशक से अधिक समय से भाजपा को जीत नहीं मिल पा रही थी, लेकिन हालिया उपचुनाव (नवंबर) में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कटेहरी में भी कमल ने कमाल कर दिखाया। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी धर्मराज निषाद ने तीन दशक बाद यहां कमल खिलाया। धर्मराज निषाद ने न सिर्फ सपा से यह सीट छीनी, बल्कि सपा प्रत्याशी शोभावती वर्मा को 34514 के बड़े अंतर से हराया।

कुंदरकी में भी खिला कमल, योगी को मिला जनता का साथ

2022 विधानसभा चुनाव में कुंदरकी में समाजवादी पार्टी ने जीत हासिल की थी। इस सीट पर भी विधायक के सांसद चुने जाने के कारण उपचुनाव हुआ। इस सीट पर भी काफी समय से समाजवादी पार्टी का कब्जा था, लेकिन नवंबर 2024 में हुए उपचुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह सीट भाजपा के खाते में गई। योगी के आह्वान पर जनता ने यहां से सपा को चारों खाने चित कर दिया। यहां के भाजपा उम्मीदवार रामवीर सिंह ठाकुर ने सपा के मो. रिजवान को 1.44 लाख से अधिक अंतर से पराजित किया। रामवीर को यहां 170371 वोट मिले, जबकि मो. रिजवान को महज 25580 वोट से संतोष करना पड़ा।

तीसरी बार मिल्कीपुर में खिला कमल

मिल्कीपुर में तीसरी बार कमल खिला है। इसके पहले यहां विपक्षी दलों का दबदबा रहता था। पहली बार 1991 में इस सीट पर भारतीय जनता पार्टी के मथुरा प्रसाद तिवारी चुनाव जीते। इसके लगभग ढाई दशक बाद बाद 2017 में यह सीट भारतीय जनता पार्टी की झोली में गई। यहां से गोरखनाथ बाबा ने कमल का फूल खिलाया। वहीं उपचुनाव में 8 फरवरी को हुई मतगणना में चंद्रभानु पासवान ने भाजपा प्रत्याशी के रूप में यह सीट समाजवादी पार्टी से छीन ली। योगी के नेतृत्व में सुशासन, कानून व्यवस्था व लोककल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन पर मतदाताओं ने ईवीएम का बटन दबाया।

आठ सीटों पर जीत व अंतर

कुंदरकी–	रामवीर सिंह ठाकुर–	170371 (144791 से जीत)
गाजियाबाद–	संजीव शर्मा–	96946 (69351 से जीत)
मिल्कीपुर–	चंद्रभानु पासवान–	146397 (61710 से जीत)
खैर–	सुरेंद्र दिलेर –	100181 (38393 से जीत)
कटेहरी–	धर्मराज निषाद–	104091 (34514 से जीत)
मीरापुर–	मिथिलेश पाल (रालोद)–	84304 (30796 से जीत)
फूलपुर–	दीपक पटेल–	78289 (11305 से जीत)
मझवां–	सुचिस्मिता मौर्या–	77737 (4922 से जीत)

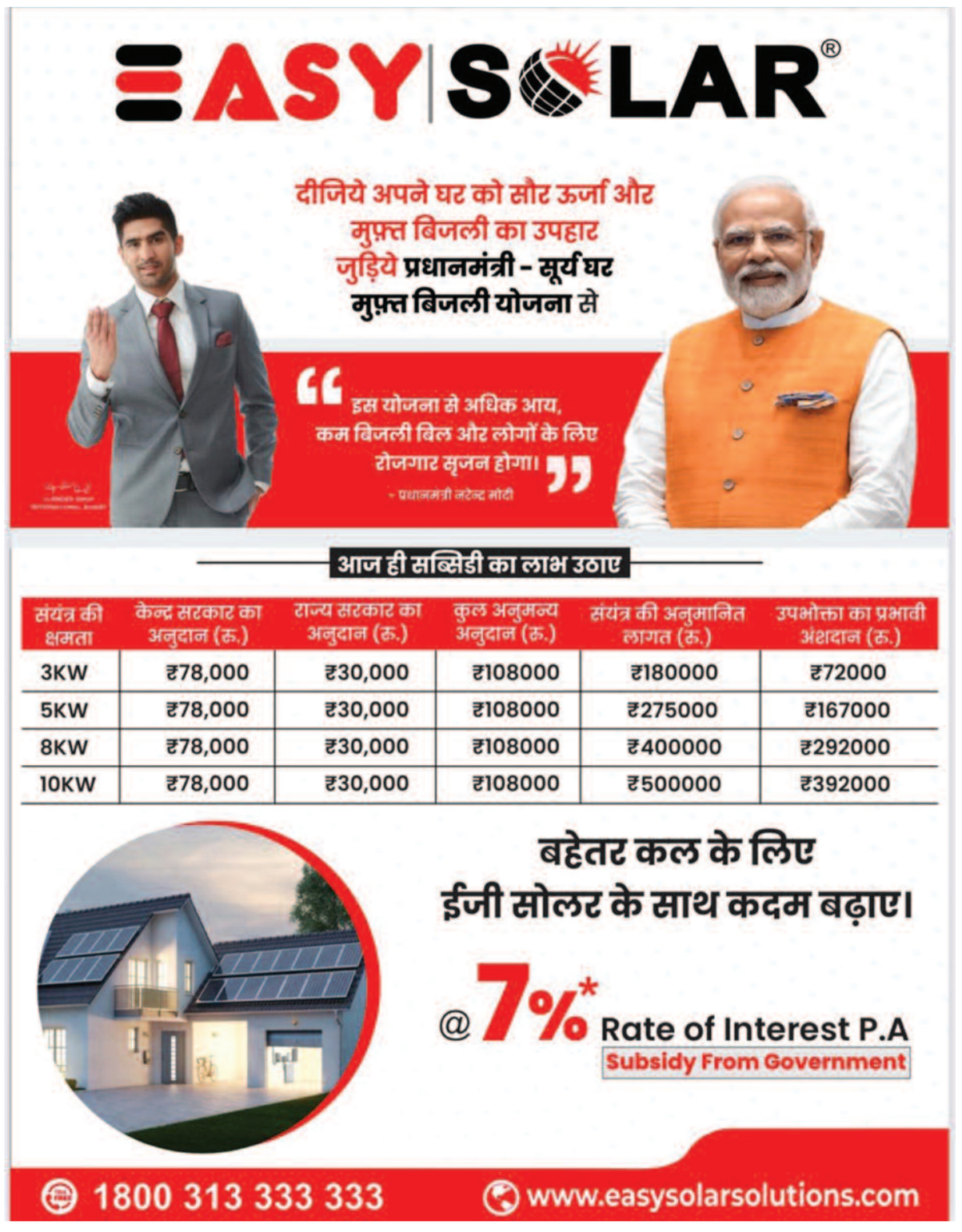

चीफ सेक्रेट्री मनोज सिंह ने किया स्वच्छ मोहल्ला स्क्वाड व My GNN पोर्टल का शुभारंभ

स्वच्छ मोहल्ला स्क्वाड, गाजियाबाद नगर निगम के पायलट प्रोजेक्ट को अपनाएगा प्रदेश: मनोज सिंह

जीएनएन पोर्टल में मिलेगी गृहकर एवं नाम बदलवाने सहित सभी सुविधाएं: नगर आयुक्त

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। हर घर स्वच्छता पहुंचाने के लिए नगर निगम सफलता की ऊंचाइयों को छू रहा है। हर घर स्वच्छता को लेकर स्कूलों में स्वच्छ मोहल्ला स्क्वाड का शुभारंभ किया जा रहा है। लोहिया नगर स्थित हिन्दी भवन में शनिवार को गाजियाबाद नगर निगम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह द्वारा ह्यस्वच्छ मोहल्ला स्क्वायड और ह्यमाए जीएनएन पोर्टल लांच किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य सचिव मनोज सिंह, महापौर सुनीता दयाल, मंडलायुक्त ऋषिकेश भास्कर यशोद, डीएम दीपक मीणा, जीडीए वीसी अतुल वत्स, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, चिंतन संस्था की निदेशक भारती चतुर्वेदी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके उपरांत महापौर ने मुख्य अतिथि बोनसाई प्लांट देकर स्वागत किया। इसके उपरांत मोहल्ला स्वच्छता स्कवायड पुस्तक, अतिथियों द्वारा लांच की गई तो वहीं जीएनएन पोर्टल का मुख्य सचिव द्वारा रिमोट का बटन दबाकर शुभारंभ किया गया।

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने इस पहल के लिए महापौर व नगरायुक्त की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता और नैतिकता जीवन का अभिन्न अंग हैं। इसकी शुरूआत बचपन में ही हो सकती है। मुख्य सचिव ने जापान का उदाहरण देकर समझाया कि वहां बचपन में यही शिक्षा दी जाती है, हमको भी यही करना है। इसलिए हमे अपने बच्चों को शुरूआत से ही स्वच्छता के प्रति जागरूक करना होगा। मुख्य सचिव द्वारा मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीन का शुभारंभ किया गया। वायु गुणवत्ता सुधार को लेकर उक्त विकल द्वारा पीएम 2.5, पीएम 2.10 जो कि प्रदूषण के घटक है को भी नियंत्रित किया जा सकेगा।

शहर वासियों को लाभ मिलेगा, गाजियाबाद नगर निगम वायु गुणवत्ता सुधार को लेकर लगातार प्रयासरत है। मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीन के इस्तेमाल से प्रयास किया जाएगा। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा विद्यार्थियों को सिखाए गए स्वच्छता के पाठ की प्रशंसा भी की। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं प्लास्टिक बहिष्कार के बारे में विद्यार्थियों में संपूर्ण जानकारी के लिए विशेष रूप से स्वच्छता का पाठ पढ़ना सराहनीय है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने पुस्तक के बारे में बताया कि इसके जरिए हम बच्चों को स्वच्छता के बारे में जानकारी दे सकेंगे ताकि आगे चलकर वह इसे अंगीकार कर, देश को स्वच्छ बनाने में योगदान दें। वहीं जीएनएन पोर्टल के जरिए अब निगम का सभी काम विशेषकर टैक्स बिल जैसे कार्य ऑनलाइन हो सकेंगे।

शहर हित में पोर्टल लाभकारी सिद्ध होगा। शहर वासियों के साथ-साथ निगम अधिकारियों को भी कार्य करने में सरलता मिलेगी। लोग पोर्टल से ही हाउस टैक्स में नाम बदलना (नामांतरण) सकेंगे। ऑनलाइन आवेदन करने के साथ उस कार्य का स्टेटस भी जान सकेंगे। प्रॉपर्टी टैक्स का लेजर और पुरानी रसीद ऑनलाइन मिल जाएगी।

किसी भी बिल को लगाने के लिए ठेकेदारों को निगम के विभागों में चक्कर काटने की आवश्यकता नहीं होगी। इसके माध्यम से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 50 सरकारी और 50 प्राइवेट स्कूलों में स्वच्छता की पाठशाला का आयोजन भी हुआ है।

साथ ही स्कूल मैनेजमेंट अध्यापकों को भी चिंतन ग्रुप द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। मंडलायुक्त ऋषिकेश भास्कर यशोद ने कहा कि यह एक ऐसी पहल है जिससे नगर निगम के कार्य में पारदर्शिता आएगी। वहीं पोर्टल के जरिए निगम आम जन के पास पहुचेंगा। स्वच्छता स्कवायड को लेकर मंडलायुक्त ने कहा कि इस पहल से हम एक बच्चे को भविष्य का जिम्मेदार नागरिक बना सकेंगे। महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि हम विदेशों में सफाई की बात करते हैं। लेकिन अपने देश में गंदगी से बुरा हाल था। वर्ष 2014 में पीएम मोदी ने इस अभियान की शुरूआत की थी, जो देश में मिशन बन गया है। यह पहला निगम है जो प्लास्टिक कचरे से अनिंग कर रहा है। इसी क्रम में सीवर सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए फेसल स्लज एंड सेप्टेज मैनेजमेंट व्हीकल का भी शुभारंभ किया गया।

कुशल नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम के भव्य आयोजन पर पार्षदों द्वारा भी नगर आयुक्त की प्लानिंग को सरहाया गया। इस मौके पर अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव, अपर नगर आयुक्त अवनेंद्र कुमार, चीफ इंजीनियर एनके चौधरी, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ. संजीव सिन्हा, उद्यान प्रभारी डॉ. अनुज कुमार सिंह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश कुमार सिंह, जीएम जलकल केपी आनंद, एमएनएलपी विवेक सिंह, ऑडिटर विमलेश सिंह, ऑडिटर रोहताश शुक्ला, एएओ जेपी सिंह, अधिशासी अभियंता देशराज सिंह, जोनल प्रभारी सुनील राय, विवेक त्रिपाठी, डीसीपी सिटी राजेश कुमार, स्वच्छ भारत मिशन की टीम, चीफ वार्डन सिविल ललित जायसवाल, सुभाष गर्ग, जीपी अग्रवाल, एचडीएफसी बैंक से अक्षय कुमार दीक्षित जोनल हेड, आशीष भाटिया और अनिमेष उपस्थित रहे। मंच का संचालन पूनम शर्मा द्वारा किया गया।

चीफ सेक्रेट्री मनोज सिंह बोले- पुलिस को कोई अधिकार नहीं साप्ताहिक बाजार हटाने का

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जनपद में सड़कों पर लगने वाले पैंठ बाजार को पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर बंद किए जाने के मामले में अब नया मोड़ आ गया है। प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि जब तक जगह नहीं मिलती तब तक साप्ताहिक बाजार नहीं हटाए जाएं। मुख्य सचिव ने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए है कि पुलिस को कोई अधिकार नहीं है। पैंठ बाजार के लिए जमीन उपलब्ध होने तक जहां बाजार लग रहे थे, वह बाजार उन्हीं स्थानों पर लगेंगे। टाउन वेंडिंग कमेटी इस पर जल्द निर्णय लेगी। नगर आयुक्त ही टाउन वेंडिंग कमेटी के साथ बैठक कर जल्द इस निर्णय लेंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पुलिस को साप्ताहिक बाजार हटाने का कोई अधिकार नहीं हैं। जब तक टाउन वेंडिंग कमेटी और प्रशासन, नगर निगम बाजार के लिए जगह नहीं मुहैया कराते है, तब तक पैठ बाजार यथा स्थान पर लगे।

शनिवार को लोहिया नगर स्थित हिंदी भवन में नगर निगम द्वारा माई जीएनएन पोर्टल के उद्घाटन अवसर पर पहुंचे मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने मीडिया से वार्ता करते हुए कहा कि पैंठ बाजार को बंद करने का निर्णय गलत है। सड़कों पर जाम न लगे। ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि नगर निगम व जिला प्रशासन जब तक पैंठ बाजार के लिए स्थल चयन नहीं करते है। तब तक पैंठ बाजार उन्हीं स्थानों पर लगेंगे। मुख्य सचिव ने हिंदी भवन में नगर निगम के माई जीएनएन पोर्टल का बटन दबाकर पोर्टल को लांच किया।

इसी के साथ ही उन्होंने स्वच्छ मोहल्ला स्क्वॉड पुस्तक का भी विमोचन किया। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद नगर निगम की यह अच्छी पहल है। इस पोर्टल के माध्यम से सभी प्रकार की जन सुविधाएं लोगों को प्राप्त हो सकेंगी। मुख्य सचिव ने कहा ऐसी व्यवस्था अन्य नगर निकायों में भी कराई जाएंगी। इस कार्यक्रम में मेरठ मंडल के मंडलायुक्त डॉ. ऋषिकेष भास्कर यशोद, महापौर सुनीता दयाल, जिलाधिकारी दीपक मीणा, जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक समेत नगर निगम के अधिकारी और पार्षद मौजूद रहे।

शहर में लगने वाले पैंठ बाजारों को निगम ही करेगा व्यवस्थित: महापौर

गाजियाबाद। शहर में लगने वाले साप्ताहिक बाजारों को नगर निगम की व्यवस्थित करेगा। नगर निगम भी नहीं चाहता है कि पैंठ बाजारों की वजह से जाम रहे। यह कहना है महापौर सुनीता दयाल का। महापौर ने कहा कि पैंठ बाजार में गाजियाबाद वासियों को ही प्राथमिकता मिलेगी। उन्होंने कहा कि पैंठ बाजार को लेकर शहर के सभी लोग चिंचित है। नगर निगम से आस लगाकर भी बैठे हैं। महापौर का कहना है कि पैंठ बाजारों के लगने से लोगों के आने-जाने का रास्ता बंद हो जाता है। स्थानीय लोग बीमारी के दौरान भी अपने घर से अस्पताल तक नहीं जा पाते। इस व्यवस्था को सुचारू करने के लिए पुलिस कमिश्नर अजय कुमार मिश्र भी कार्य कर रहे है।

नगर निगम भी चाहता है कि सड़कों पर जाम न लगे। इसलिए पैंठ बाजारों को व्यवस्थित करना है। जिससे स्थानीय लोगों की बड़ी समस्या का समाधान होगा और बाजार के लोगों का रोजगार भी प्रभावित नहीं होगा।

महापौर ने कहा कि नगर निगम के अधिकारियों के साथ बैठक कर जल्द ही इसका समाधान किया जाएगा।। लेकिन प्राथमिकता गाजियाबाद के शहरवासियों को दी जाएगी। पैंठ बाजार को लेकर नगर निगम द्वारा जल्द ही पैंठ बाजारों एवं साप्ताहिक बाजारों के लिए कार्य पूर्ण कर व्यवस्थित किया जाएगा। इस मामले में नगर आयुक्त सहित सभी अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्रवाई अमल में लाई जाए। किसी का रोजगार भी प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा।

नगर निगम की तर्ज पर नगर निकाय भी बढ़ाएं आधुनिकीकरण की तरफ : मंडलायुक्त

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। मेरठ मंडलायुक्त ऋषिकेश भास्कर यशोध द्वारा गाजियाबाद नगर निगम अंतर्गत चल रहे कार्यों तथा योजनाओं को लेकर नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मालिक तथा निगम अधिकारियों के साथ बैठक की गई । नगर आयुक्त द्वारा गाजियाबाद नगर निगम में चल रहे कार्यों, योजनाओं व आगामी योजनाओं पर विस्तृत प्रेजेंटेशन भी दी गई। लगभग 44 बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी साझा की गई। मंडलायुक्त द्वारा गाजियाबाद नगर निगम की हाईटेक पद्धति को देखते हुए अन्य नगर निकायों को भी इसी तर्ज पर आधुनिकीकरण की तरफ रफ्तार बढ़ाने के लिए टीम को कहा।

मेरठ नगर निगम के साथ-साथ अन्य नगर पालिका नगर पंचायत भी गाजियाबाद नगर निगम की तर्ज पर अपने-अपने विभागों को हाईटेक बनाए प्लानिंग करने के लिए संबंधित उपस्थित टीम को निर्देश दिए गए । गाजियाबाद नगर आयुक्त द्वारा शहर में वायु गुणवत्ता सुधार के लिए चल रहे कार्यों मियावकी पद्धति से पौधा रोपण, सड़कों को धूल मुक्त बनाने, तालाबों का जीर्णोद्धार, ओपन जिम की व्यवस्था, बायोडायवर्सिटी पार्क, योजना उपवन योजना, हरित शवदहा ग्रह, व्हीकल ट्रैकिंग मॉनिटरिंग सिस्टम, इंदिरापुरम में चल रहे कार्य, कैमरा इंटीग्रेशन 311 एप, माय जीएनएन पोर्टल, इंटेलीजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम की प्रेजेंटेशन प्रस्तुत की गई। इसी के साथ परियोजनाओं के बारे में भी बताया गया जिसमें उत्तरांचल भवन, पूर्वांचल भवन, वाल्मीकि भवन, मल्टीलेवल कर पार्किंग, इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग स्टेशन, इलेक्ट्रिक व्हीकल सेल का गठन, सीनियर सिटीजन केयर सेंटर, एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर, स्पोर्ट प्लाजा, मॉडर्न कर्कश प्लांट तथा गाजियाबाद की एंट्री गेट के बारे में भी प्रेजेंटेशन दी गई। नगर आयुक्त द्वारा ग्रीन म्युनिसिपल बौंड के चल रहे कार्य के बारे में भी मंडलायुक्त को अवगत कराया।

नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत चल रहे कार्यों को मंडलायुक्त द्वारा सरहाया गया हाईटेक पद्धति से गाजियाबाद नगर निगम अन्य निगम मैं बेहतर स्थान पर है । इसी क्रम में और अधिक शहर हित में बेहतर कार्य करने के लिए मार्गदर्शन भी किया गया टीम को मोटिवेशन मिला। स्वास्थ्य विभाग के चल रहे कार्यों को भी साझा किया गया ।

जिसमें स्मार्ट ट्रांसफर स्टेशन वेट वेस्ट प्लांट सीएनजी प्लांट ड्राई वेस्ट प्लांट ट्रिपल आर सेंटर वेस्ट टू वंडर पार्क की जानकारी भी दी गई। वेस्ट टू एनर्जी प्लांट पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा मॉडर्न स्पॉट प्लाजा बायोडायवर्सिटी पार्क को रफ्तार देने के निर्देश दिए गए जिसके क्रम में कार्यवाही की जाएगी। नगर आयुक्त द्वारा यह भी बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत विकास कार्यों की रफ्तार भी बढ़ रही है । सभी वार्डों में और भी प्रमुखता से कार्य होंगे।

जिनको मेरठ मंडल आयुक्त, जिलाधिकारी तथा माननीय महापौर सुनीता दयाल के नेतृत्व में रफ्तार से कराया जाएगा। बैठक में अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव ,अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार सहित सभी विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

विक्रमादित्य सिंह मलिक ने ग्रीन म्युनिसिपल बॉड तथा टैक्स कलेक्शन पर विचार साझा किये

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा नेशनल बैंक फॉर फाइनेंसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट के कार्यक्रम द फ्यूचर आफ अर्बन इंडिया में प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में भारत से कई अर्बन लोकल बॉडीज के अधिकारी भी उपस्थित रहे। जिसमें उत्तर प्रदेश से गाजियाबाद नगर आयुक्त द्वारा नगर निगम में आत्मनिर्भरता को लेकर चल रहे कार्यों पर विचार साझा किए गए। नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि दिल्ली में अर्बन लोकल बॉडीज को आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बनाने के लिए कार्यक्रम का आयोजन हुआ । जिसमें वर्ल्ड बैंक ग्रुप तथा एडीबी सहयोगी रहे। पैनल डिस्कशन का आयोजन किया गया । जिसमें गाजियाबाद नगर निगम को भी अपने विचार रखने के लिए अवसर दिया गया। शहरी नगर निकायों के वित्तीय एवं संसाधनों के संरचना को लेकर चर्चा हुई । जिसमें गाजियाबाद नगर निगम द्वारा ग्रीन म्युनिसिपल बौंड तथा टैक्स कलेक्शन को लेकर किया जा रहे बेहतर कार्यों को उपस्थित शहरी नगर निकायों के सामने प्रस्तुत किया गया। उपस्थित अन्य प्रतिभागियों ने गर निगम द्वारा रिवेन्यू बढ़ाने तथा संसाधनों को बढ़ाने के लिए किया जा रहे कार्यों की सराहना की गई। गाजियाबाद नगर आयुक्त के अलावा पैनल में संजीव कौशिक प्रिंसिपल फाइनेंशियल सेक्टर स्पेशलिस्ट एडीबी, मोहित सीनियर ऑपरेशन ऑफिसर आईएफसी, देवेंद्र कुमार पंत चीफ इकोनॉमिस्ट एंड हेड पब्लिक फाइनेंस इंडिया रेटिंग एंड रिसर्च भी उपस्थित रहे जिनके द्वारा अपने-अपने विचारों को साझा किया गया।

377 करोड़ से शहर के विकास कार्य को लगेंगे पंख, महापौर तथा नगर आयुक्त ने बनाई कार्य योजना

अमरुत योजना के अंतर्गत 15 करोड़ से निगम बढ़ाएगा वॉटर कनेक्शन, वाटर स्काडा की शहर में होगी शुरूआत

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा शहर में 377 करोड़ के विकास कार्यों को हरी झंडी दी गई है, इंदिरापुरम योजना अंतर्गत 185 करोड़, 15 वित अंतर्गत 106 करोड़, एयर क्वालिटी अंतर्गत 71 करोड़ तथा अमरुत योजना अंतर्गत 15 करोड़ को स्वीकृत किया गया है जिसमें इंदिरापुरम क्षेत्र में 185 करोड़ के कार्यों को करने हेतु योजना बनाई जा चुकी है जिसमें से 110 करोड़ के कार्यों को टेंडर प्रक्रिया में शामिल करने का निर्णय लिया जा चुका है, 50 करोड़ के नालों का निर्माण तथा 50 करोड़ सड़क सुधार में लगाए जाएंगे, इसके अलावा 20 करोड़ पेयजल व्यवस्था सुधार हेतु तथा 25 करोड़ सीवर लाइन के कार्यों हेतु रहेगा' उद्यान विभाग 11 करोड़ से पार्कों का जीर्णोद्धार कराएगा प्रकाश विभाग के द्वारा लगभग 14 करोड़ से इंदिरापुरम क्षेत्र में प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा, स्वास्थ्य विभाग को 15 करोड़ दिए गए हैं जिसमें इंदिरापुरम क्षेत्र की सफाई व्यवस्था को मजबूती मिलेगी आधुनिक उपकरणों को खरीदा जाएगा।

महापौर सुनीता दयाल की अध्यक्षता में गाजियाबाद नगर निगम शहर के विकास को रफ्तार दे रहा है जिसमें गाजियाबाद विकास प्राधिकरण से इंदिरापुरम हैंडोवर के समय निर्धारित 185 करोड़ हेतु कार्य योजना बन चुकी है।

इसके अलावा एयर क्वालिटी इंडेक्स के अंतर्गत लगभग 85 करोड़ से भी शहर के विकास कार्यों को कराया जाएगा जिसमें 58 करोड़ से मुख्य सड़कों के सुधार का कार्य होगा, 10 करोड़ से उद्यान विभाग ग्रीन बेल्ट तथा सेंट्रल वर्ज को बेहतर करेगा, शहर को ग्रीन गाजियाबाद के रूप में बनाने हेतु उद्यान विभाग के द्वारा विशेष कार्यवाही कराई जाएगी, एयर क्वालिटी इंडेक्स के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग को 13 करोड़ दिए गए हैं जिसमें आधुनिक उपकरणों को शहर हित में खरीदा जाएगा, महापौर द्वारा बताया गया कि ऐसे क्षेत्र जहां विकास की अधिक आवश्यकता है उनको प्राथमिकता पर विकसित किया जाएगा तथा आवश्यकता अनुसार मलिन बस्तियों में अन्य क्षेत्रों में भी कार्य कराए जाएंगे आंतरिक वार्डों के साथ-साथ मुख्य मार्गो को भी सुसज्जित करने हेतु शामिल किया गया है।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा बताया गया कि सभी मदों से प्राप्त होने वाली धनराशि से शहर को न केवल विकास की और बढ़ाया जाएगा बल्कि वायु गुणवत्ता सुधार को लेकर विशेष ध्यान दिया जाएगा कार्य योजना बनाते हुए शहर को ग्रीन गाजियाबाद बनाने की योजना को सफल बनाने हेतु कार्यवाही की जाएगी, नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि 15 वित से लगभग 106 करोड़ के कार्य आंतरिक वार्डों के साथ-साथ मुख्य मार्गो में भी कराए जाएंगे जिसमें 60 करोड़ के कार्य सफाई हेतु, 26 करोड़ के नाला निर्माण हेतु, तथा 24 करोड पेयजल व्यवस्था तथा सिविर लाइन व्यवस्था हेतु उपयोग में लिए जाएंगे, सभी विकास कार्यों को 15 वित्त समिति द्वारा भी स्वीकृति दी गई है, नगर आयुक्त द्वारा यह भी बताया गया कि अमरुत के अंतर्गत 15 करोड़ की लागत से वॉटर कनेक्शन को बढ़ाया जाएगा तथा वाटर स्काडा की शुरूआत भी गाजियाबाद में की जाएगी जिसके क्रम में जलकल विभाग हाईटेक होगा जानापूर्ति की मॉनिटरिंग ऑनलाइन कर सकेगा।

कार्य की प्रगति बढ़ाकर निर्धारित समय अवधि में योजनाओं को पूर्ण करें: अभिनव गोपाल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश की महत्वांकाक्षी योजना जल जीवन मिशन की बैठक मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में विकास भवन दुर्गावती सभागार में सम्पन्न हुई। जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद गाजियाबाद के ग्रामीण क्षेत्रो में पाइप पेयजल योजना के माध्यम से प्रत्येक घर मे पेयजल कनेक्शन देकर जलापूर्ति की जानी प्रस्तावित है। जनपद गाजियाबाद में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत 148 ग्रामों में पाइप पेयजल निर्मित की जानी है जिनमें से पूर्व में 148 ग्रामों की 128 डी0पी0आर0 राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ द्वारा स्वीकृति प्रदान की जा चुकी हैं। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जनपद गाजियाबाद में जल जीवन मिशन के कार्य कर रही फर्म मैसर्स एल0सी0इन्फ्रा टी0सी0एल0 (जे0वी0) अहमदाबाद के द्वारा निर्मित की जा रही योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिशासी अभियंता, जल निगम (ग्रामीण), द्वारा अवगत कराया गया है कि वर्तमान में समस्त 148 नग ग्रामों हेतु 128 नग पाईप पेयजल योजनाओं की स्वीकृति शासन द्वारा प्रदान की जा चुकी है। मैसर्स एल0सी0इन्फ्रा टी0सी0एल0 (जे0वी0) अहमदाबाद के प्रतिनिधि द्वारा बताया गया है कि समस्त 128 योजनाओं के सापेक्ष समस्त 128 योजनाओं के कार्य प्रगति पर हैं। समस्त 128 नग नलकूप, 85 नग ओवर हैड टैक का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा 40 नग ओवरहैड टैंक का कार्य प्रगति पर है। 90 नग पंम्पहाउस का कार्य पूर्ण, 95 नग बाउन्ड्रीवॉल का कार्य पूर्ण है।

महाकुम्भ में उमड़ा 'आस्था का महासागर', स्नानार्थियों की संख्या 40 करोड़ के पार

महाकुम्भ में बसंत पंचमी के बाद भी नहीं कम हो रही जन आस्था, स्नान को देशभर से आ रहे लोग

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- महाकुम्भ की शुरूआत से लेकर शुक्रवार सुबह 8 बजे तक 40 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में किया पावन स्नान
- तीनों अमृत स्नान के बाद भी कम नहीं हुआ उत्साह, साधु-संत, श्रद्धालु, कल्पवासी और गृहस्थ कर रहे संगम स्नान

महाकुम्भ नगर। मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान अब एक नए शिखर पर पहुंच गया है।

इसी क्रम में शुक्रवार सुबह तक महाकुम्भ में स्नानार्थियों की संख्या ने 40 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। शुक्रवार को सुबह 10 बजे तक 42.07 लाख श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगा ली है। इसके साथ ही महाकुम्भ में स्नानार्थियों की कुल संख्या 40 करोड़ पार हो गई। अभी महाकुम्भ को 19 दिन शेष है और पूरी उम्मीद है कि स्नानार्थियों की संख्या 50 करोड़ के पार जा सकती है।

यदि अब तक के कुल स्नानार्थियों की संख्या का विश्लेषण करें तो सर्वाधिक 8 करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था, जबकि 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया था। एक फरवरी और 30 जनवरी को 2-2 करोड़ के पार और पौष पूर्णिमा पर 1.7 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य डुबकी लगाई।

इसके अलावा बसंत पंचमी पर 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई थी।

महाकुम्भ में देखने को मिल रही विविध संस्कृतियों की झलक

प्रयागराज में तीनों अमृत स्नान (मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी) के बाद भी श्रद्धालुओं/स्नानार्थियों के जोश और उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है। पूरे देश और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से पवित्र त्रिवेणी में श्रद्धा और आस्था के साथ डुबकी लगाकर पुण्य प्राप्त करने के लिए श्रद्धालु प्रतिदिन लाखों की संख्या में प्रयागराज पहुंच रहे हैं। बसंत पंचमी के अंतिम अमृत स्नान पर्व के बाद भी करोड़ों श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में स्नान को पहुंच रहे हैं। शुक्रवार, 7 फरवरी को सुबह 10 बजे तक 42.07 लाख लोगों ने त्रिवेणी में स्नान किया।

ये प्रमुख लोग अब तक लगा चुके हैं पावन डुबकी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ (मंत्रिमंडल समेत) संगम में डुबकी लगा चुके हैं। इसके अलावा प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल, हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी, मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, श्रीपद नाइक, बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी, राज्य सभा सांसद सुधा मूर्ति, असम विधानसभा अध्यक्ष बिस्वजीत दैमारी, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता माता प्रसाद पांडे, गोरखपुर के सांसद रवि किशन, हेमा मालिनी, पूर्व सांसद दिनेश लाल यादव 'निरहुआ', बॉलीवुड एक्ट्रेस भाग्यश्री, अनुपम खेर, मिलिंद सोमण, ओलम्पिक मेडलिस्ट साइना नेहवाल, एक्ट्रेस से किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनीं ममता कुलकर्णी, प्रख्यात कवि कुमार विश्वास, क्रिकेटर सुरेश रैना, अन्तरराष्ट्रीय रेसलर खली, कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा, बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता के अलावा भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद भी संगम में स्नान कर चुके हैं। आगामी 10 फरवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी संगम में पावन डुबकी लगाने आएंगी।

गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल ने भी लगाई पावन डुबकी, बोले- त्रिवेणी संगम में स्नान सौभाग्य की बात

संगम त्रिवेणी में स्नान के बाद मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने की महाकुम्भ में योगी सरकार द्वारा किए गए प्रबंधों की सराहना

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज महाकुम्भ में उमड़ रहे आस्था के जनसमुद्र के बीच शुक्रवार को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी श्रद्धा की डुबकी लगाने पहुंचे। संगम त्रिवेणी में स्नान करने के बाद उन्होंने योगी सरकार द्वारा किए गए प्रबंधों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कुम्भ क्षेत्र में सुंदर व्यवस्था की गई है और कहीं भी किसी को कोई समस्या नहीं हो रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि त्रिवेणी संगम में स्नान मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री ने संगम स्नान से पूर्व बड़े हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की और फिर सेक्टर 7 स्थित गुजरात पवेलियन का भी अवलोकन किया।

त्रिवेणी संगम में स्नान के बाद गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने योगी सरकार द्वारा किए गए प्रबंधों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कुम्भ क्षेत्र में सुंदर व्यवस्था की गई है और कहीं भी किसी को कोई समस्या नहीं हो रही है। भूपेंद्र पटेल ने कहा, श्रद्धेय प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाएं अद्भुत हैं।

स्वच्छता से लेकर हर सुविधा तक, सब कुछ बहुत ही अच्छा है। गुजरात सीएम ने कहा, हमें पवित्र स्नान करने का अवसर मिला, यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। त्रिवेणी संगम, जो भारत की आस्था का केंद्र है, वहां स्नान करने के बाद हर व्यक्ति स्वयं को भाग्यशाली मानता है। मोटरबोट से पूरी सुरक्षा के बीच मुख्यमंत्री त्रिवेणी संगम पहुंचे और यहां उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चारण और श्लोकों के बीच आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान उन्होंने भगवान सूर्य को अर्घ्य भी दिया। उनके साथ औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने भी पावन डुबकी लगाई। इसके बाद मुख्यमंत्री ने गंगा पूजन और गंगा आरती भी की।

400 बेड की डॉरमेट्री का किया शुभारंभ

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल शुक्रवार सुबह 9 बजे स्टेट एयरक्राफ्ट से प्रयागराज पहुंचे। प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने उनका स्वागत किया। यहां से वह सीधे बड़े हनुमान मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने पूरे विधि विधान से वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पूजन अर्चन किया और आरती उतारी। मंदिर के महंत और बाघंबरी गद्दी के पीठाधीश्वर बलबीर गिरि जी महाराज की ओर से मुख्यमंत्री को लेटे हनुमान मंदिर की प्रतिकृति भेंट की गई। बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन और पूजन के बाद मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सेक्टर 7 स्थित गुजरात पवेलियन पहुंचे। यहां उन्होंने पवेलियन का अवलोकन किया। गुजरात पवेलियन में उन्होंने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, साबरमती आश्रम और सूर्य मंदिर की प्रतिकृतियों का निरीक्षण किया, जबकि मेडिकल कैंप, लिट्रेचर स्टॉल और अन्य गैलरी का भी मुआयना किया। यहां वो गुजरात के उत्पादों की प्रदर्शनी में भी गए और सभी व्यवस्थाओं को सराहा। गुजरात से भारी संख्या में आ रहे श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उन्होंने यहां 400 बेड की एक डॉरमेट्री का भी शुभारंभ किया।

कामेश्वर चौपाल जी का पूरा जीवन धार्मिक और सामाजिक कार्यों में समर्पित रहा: योगी

कामेश्वर चौपाल के निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जताया शोक

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र न्यास के सदस्य कामेश्वर चौपाल का दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में हुआ निधन
- राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण की प्रथम शिला रखने वाले परम राम भक्त श्री कामेश्वर चौपाल जी का निधन अत्यंत दुःखदः सीएम योगी

लखनऊ। राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र न्यास के सदस्य कामेश्वर चौपाल के निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शोक व्यक्त किया। सीएम योगी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट के जरिए दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उनका पूरा जीवन धार्मिक और सामाजिक कार्यों में समर्पित रहा। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।

सीएम योगी ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय उपाध्यक्ष, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के सदस्य एवं 9 नवम्बर 1989 को आयोजित ऐतिहासिक शिलान्यास समारोह में पूज्य संत गण की उपस्थिति में श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण की प्रथम शिला रखने वाले परम राम भक्त श्री कामेश्वर चौपाल जी का निधन अत्यंत दुःखद है। उनका पूरा जीवन धार्मिक और सामाजिक कार्यों में समर्पित रहा। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ॐ शांति!

बता दें कि राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी कामेश्वर चौपाल का 68 साल की उम्र में निधन हो गया है। दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। पिछले कुछ दिनों से वह बीमार थे और अस्पताल में भर्ती थे। राम मंदिर आंदोलन में उनकी भूमिका अहम रही थी। उन्होंने ही राम मंदिर निर्माण के लिए पहली ईंट रखी थी।

प्रयागराज महाकुंभ में 115 दिन के प्रवास के बाद श्री पंच दशनाम अखाड़ा ने किया प्रस्थान

देवताओं को उठाकर रामापुर में स्थापित किया गया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

प्रयागराज। श्री पंच दशनाम अखाडा शुकवार को महाकुंभ से रामापुर के लिए प्रस्थान कर गया। दो दिन तक अखाडे के सभी पदाधिकारी व साधु-संत रामापुर में ही निवास करेंगे। 9 फरवरी को सभी काशी के लिए रवाना हो जाएंगे, जहां 40 दिन का प्रवास रहेगा। श्री दूधेश्वर मंदिर के पीठाधीश्वर व जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने बताया कि रमता पंच के चारों श्रीमहंतों श्रीमहंत दुत पुरी महाराज, श्रीमहंत निरंजन भारती महाराज, श्रीमहंत मोहन गिरि महाराज व श्रीमहंत रामचंद्र गिरि महाराज ने देवताओं को उठाया और उन्हें रामापुर में ले जाकर स्थापित किया। दो दिन तक सभी साधु-संयासियों का निवास रामापुर में होगा और 9 फरवरी को सभी साधु-संत 40 दिन के प्रवास हेतु काशी के लिए रवाना हो जाएंगे, जहां मोहनपुर चौक पर साधु-संतों द्वारा स्वागत किया जाएगा।

महाराजश्री ने बताया कि काशी में भी शाही सवारी निकेलगी। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व पर अखाडे की ओर से जुलूस-शोभा यात्रा निकाली जाएगी और भगवान विश्वनाथ का दर्शन-पूजन किया जाएगा। होली पर्व पर मणिकर्णिका घाट पर होली खेलने के बाद ही सभी साधु-संत अपने मंदिर, मठ, आश्रम आदि के लिए रवाना होंगे। जूना अखाड़े के चुनाव भी काशी में ही होंगे। जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक व अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि महाराज व्यवस्था बनाने के लिए काशी रवाना हो गए हैं। जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय सभापति श्रीमहंत प्रेम गिरि महाराज, श्री दूधेश्वर मंदिर के पीठाधीश्वर व जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज, श्रीमहंत महेश पुरी महाराज, श्रीमहंत शैलेंद्र गिरि महाराज, महंत शिवानंद सरस्वती महाराज, महंत गिरिशानंद गिरि महाराज श्रीमहंत तीर्थ गिरि महाराज समेत रमता पंच के सभी श्रीमहंत, महंत, कोतवाल, थानापति समेत सभी अन्य पदाधिकारी व साधु-संत भी 9 फरवरी को काशी के लिए प्रस्थान कर जाएंगे। अखाडे ने प्रयागराज महाकुंभ में 16 अक्टूबर को प्रवेश किया था। 115 दिन के प्रवास के बाद शुक्रवार को अभिजीत मुहूर्त में देवताओं को उठाकर रामापुर में स्थापित किया गया। इसी के साथ श्री पंच दशनाम अखाडा प्रयागराज महाकुंभ प्रस्थान कर गया। श्री दूधेश्वर नाथ महादेव मठ मंदिर द्वारा सेक्टर 20 संगम लोअर मार्ग पर शास्त्री ब्रिज के नीचे कुंभ मेला क्षेत्र में लगाए गए श्री दूधेश्वर नाथ महादेव कुंभ मेला शिविर 12 फरवरी तक लगा रहेगा।

फायर ब्रिगेड की तत्परता से एक बार फिर टल गया बड़ा हादसा

महाकुम्भ नगर में शॉर्ट सर्किट से शिविर में लगी आग, फायर ब्रिगेड ने तत्काल पाया काबू

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ के लिए योगी सरकार द्वारा पहले से ही व्यापक स्तर पर जो तैयारी की गई थी उसकी मदद से शुक्रवार को बड़ा हादसा टालने में प्रशासन को बड़ी मदद मिली। खास तौर पर मेला क्षेत्र में अग्निशमन को लेकर जो तैयारियां की गईं थीं उन्होंने अहम रोल निभाया। ओल्ड जीटी रोड स्थित महाकुम्भ नगर में शुक्रवार को स्वामी हरिहरानंद और सुखदेवानंद के शिविर में अचानक आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही तत्काल महाकुम्भ के फायर ब्रिगेड की एक दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पा लिया गया। चीफ फायर ऑफिसर प्रमोद शर्मा ने बताया कि आग इस्कॉन क्षेत्र में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी, जिससे 20 से 22 टेंट जल गए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। दमकलकर्मियों ने त्वरित कार्रवाई कर आग को फैलने से रोक लिया। घटना की जानकारी मिलते ही उत्तरी झूसी के जोनल पुलिस ऑफिसर, एडिशनल एसपी सर्वेश कुमार मिश्रा, स्थानीय पुलिस और मेला मजिस्ट्रेट भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे सावधानी बरतें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत अधिकारियों को सूचित करें।

महाकुम्भ में आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए इस बार योगी सरकार ने व्यापक इंतजाम किए हैं। पूरे मेला क्षेत्र में 50 फायर स्टेशन और 20 फायर पोस्ट बनाए गए हैं। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए 4,300 फायर हाइड्रेंट तैनात किए गए हैं।

महाकुम्भ को अग्नि दुर्घटना रहित क्षेत्र बनाने के लिए योगी सरकार ने विभाग को 66.75 करोड़ का बजट आवंटित किया है, जबकि विभागीय बजट 64.73 करोड़ है। इस प्रकार, कुल 131.48 करोड़ रुपए की लागत से वाहन व उपकरणों को महाकुम्भ मेला में अग्नि जनित दुर्घटनाओं से सुरक्षा के लिए डिप्लॉय किया गया है। इतना ही नहीं अलग-अलग प्रकार के 351 से अधिक अग्निशमन वाहन और 2000 से अधिक ट्रेन्ड मैनपावर को डिप्लॉय किया गया है।

महाकुम्भ में दिख रही सनातन संस्कृति की एकता: आरिफ मो. खान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ पहुंचे बिहार के राज्यपाल अरिफ मोहम्मद खान ने शुक्रवार को संगम भ्रमण के दौरान भारत की सनातन संस्कृति को महान बताया। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ में सनातन संस्कृति की एकता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। अपने प्रयागराज दौरे के दूसरे दिन आरिफ मो. खान ने कहा, भारत की सनातन संस्कृति का मूल आदर्श एकात्मता है, जहां सभी भेद समाप्त हो जाते हैं। हमारी संस्कृति हमें सिखाती है कि यदि हम किसी भी मानव को उनके दिव्य रूप में देखें, तो हमें यह अहसास होगा कि ₹मानव ही माधव का स्वरूप है₹। राज्यपाल अरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि महाकुम्भ में आकर यह स्पष्ट होता है कि भारत की संस्कृति और परंपरा मानवता को जोड़ने का कार्य करती है। यहां मौजूद लोग एक-दूसरे को भले ही न जानते हों, लेकिन फिर भी सब एकजुट होकर इस आयोजन में भाग ले रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की विरासत, आदर्श और मूल्यों को जीवंत रखना आवश्यक है। यही वे मूल्य हैं, जो हमारे समाज को एकसूत्र में बांधते हैं और समरसता की भावना को मजबूत करते हैं।

यूपी में पर्यटन विकास से खुल रहे रोजगार के नए अवसर

अयोध्या, काशी, मथुरा में धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाई पर ले जा रही योगी सरकार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- पर्यटन हब बना उत्तर प्रदेश, 2024 में 65 करोड़ से अधिक पर्यटकों ने किया भ्रमण
- स्वदेश दर्शन-2 योजना से नैमिषारण्य, प्रयागराज और महोबा को मिलेगा नया रूप

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अपनी ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित कर पर्यटन के नए हब के रूप में अपनी पहचान बनाई है। यूपी आज दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है।

बीते वर्ष लगभग 65 करोड़ से अधिक पर्यटकों ने उत्तर प्रदेश के विभिन्न स्थलों का भ्रमण किया, जिससे यह देश के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में शामिल हो गया है। योगी सरकार ने धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए कई योजनाओं को लागू किया है, जिससे प्रदेश में रोजगार और आर्थिक विकास को गति मिली है। उत्तर प्रदेश में अयोध्या, काशी और मथुरा जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों को विश्वस्तरीय पहचान दिलाने के लिए राज्य सरकार तेजी से कार्य कर रही है। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद से पर्यटकों की संख्या में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर परियोजना ने मंदिर परिसर को सुव्यवस्थित और भव्य बना दिया है, जिससे श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं बेहतर हुई हैं। मथुरा-वृंदावन में श्रीकृष्ण जन्मभूमि क्षेत्र को विकसित करने पर योगी सरकार जोर दे रही है, जिससे न केवल स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिला है, बल्कि हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर भी प्राप्त हुए हैं। सरकार ने इन क्षेत्रों में सड़क, परिवहन, रुकने की सुविधाएं और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पर्यटन हब बना उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश अब केवल धार्मिक पर्यटन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह एक पर्यटन हब बन चुका है। प्रयागराज का संगम, चित्रकूट, कुशीनगर और अन्य ऐतिहासिक धरोहरों को नई पहचान दिलाने के लिए सरकार द्वारा व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। पर्यटन के बढ़ते रुझान और सरकार की नीतियों के चलते उत्तर प्रदेश में होटल, गाइड, ट्रांसपोर्ट, हस्तशिल्प और अन्य स्थानीय व्यवसायों को जबरदस्त लाभ मिला है। पर्यटन स्थलों के विकास से युवा उद्यमियों और स्टार्टअप्स को भी नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

सम्पादकीय

केजरीवाल की चुनौतियां बढ़ना तय

आखिरकार भाजपा ने दिल्ली की सत्ता हासिल कर ली। वह 27 वर्षों से दिल्ली की सत्ता से बाहर थी। दिल्ली की सत्ता से भाजपा के बाहर होने के बाद कांग्रेस ने लगातार 15 साल शासन किया। 2013 के विधानसभा चुनावों में अन्ना आंदोलन से निकली आम आदमी पार्टी ने 70 में से 28 सीटें जीतकर चमत्कार सा कर दिया। आप ने जिस कांग्रेस को सत्ता से बाहर किया, उसी ने उसकी सरकार बनाने में इसलिए मदद की ताकि भाजपा को सत्ता से दूर रखा जा सके। मुख्यमंत्री बने अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस से मतभेदों के चलते 49 दिन बाद त्यागपत्र दे दिया। इसके बाद राष्ट्रपति शासन लगा और जब 2015 में विधानसभा चुनाव हुए तो आप ने 67 सीटें जीत कर चकित कर दिया। इसलिए और भी, क्योंकि 2014 के लोकसभा चुनावों में मोदी पूर्ण बहुमत के साथ प्रधानमंत्री बन चुके थे। इसी तरह 2020 में भी आप ने 62 सीटें जीतीं और वह भी तब जब 2019 के लोकसभा चुनाव में मोदी को प्रचंड बहुमत मिला था। इस बार विधानसभा चुनावों में आप मुश्किल में दिख रही थी, क्योंकि केजरीवाल समेत आप के बड़े नेता भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जा चुके थे। इससे केजरीवाल की भ्रष्टाचार से लड़ने वाले नेता की छवि को धक्का लगा। मुख्यमंत्री आवास की साजसज्जा में 40 करोड़ से अधिक धन खर्च किए जाने से भी जनता को यह लगा कि केजरीवाल की कथनी-करनी में अंतर है। लगता है केजरीवाल ने अन्ना हजारे की इस नसीहत पर ध्यान नहीं दिया कि राजनीति काजल की कोठरी होती है। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं कि जो पार्टी भ्रष्टाचार से लड़ने का दावा कर रही थी, उसी पर घपले-घोटाले का आरोप लगा। हालांकि केजरीवाल ने यह बताने की कोशिश की कि उन पर झूठा आरोप लगाकर उन्हें बदनाम किया गया, लेकिन नतीजे बता रहे कि उनकी सफाई जनता को रास नहीं आई। वह खुद भी चुनाव हार गए। समय के साथ आम आदमी पार्टी एक ऐसा दल बनी थी, जिसने दो राज्यों-पहले दिल्ली और फिर पंजाब में सरकार बनाई और राष्ट्रीय दल का दर्जा पाया। दिल्ली में हार से आप को करारा झटका लगा है, लेकिन वह अब भी एक राजनीतिक ताकत है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि आप से मुकाबले के लिए भाजपा को उसके जैसे ही तौर-तरीके अपनाने पड़े। उसे न केवल यह घोषणा करनी पड़ी कि आप सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं जारी रहेंगी, बल्कि कुछ नई लोकलुभावन घोषणाएं भी करनी पड़ीं। तथ्य यह भी है कि आप ने रेवड़ियां बांटने की जो राजनीति शुरू की, उसे कई अन्य दलों ने भी अपनाया। इनमें कांग्रेस भी है। दिल्ली के नतीजों ने आप के साथ ही कांग्रेस को भी झटका दिया है। कांग्रेस लगातार तीसरी बार एक भी सीट नहीं जीत सकी। शायद कांग्रेस को अब यह आभास हो कि उसने 2013 में केजरीवाल की सरकार बनवाकर भारी भूल की थी। वह ऐसी ही भूल क्षेत्रीय दलों को समर्थन देने की करती रही है। इससे ही कांग्रेस का भविष्य धूमिल हुआ है। कांग्रेस की असफलता के लिए गांधी परिवार ही जिम्मेदार है, क्योंकि पार्टी की कमान उसके ही हाथ है। दिल्ली के नतीजों से उसे सबक सीखने होंगे। आप के संस्थापक अरविंद केजरीवाल ने अपनी छवि एक जुझारू नेता की बनाई। वह मुख्यमंत्री रहते हुए धरने पर बैठे, लेकिन लड़ाकू नेता की उनकी छवि ने उन्हें नुकसान ही पहुंचाया, क्योंकि यह धारणा बनी कि वह अपना काम करने के बजाय लड़ाईझगड़ा करना पसंद करते हैं। वह जब तक मुख्यमंत्री रहे, केंद्र सरकार से उलझते ही रहे। इससे दिल्ली को नुकसान हुआ। दिल्ली पूर्ण राज्य नहीं है। यहां केंद्र के सहयोग के बिना शासन करना संभव नहीं। केंद्र से तनातनी के कारण दिल्ली में विकास और जनकल्याण के कई काम नहीं हो सके और आधारभूत ढांचे को भी नहीं सुधारा जा सका। राजनीतिक हठ की एक सीमा होती है। यदि इस सीमा को लांघा जाता है तो समस्याएं पैदा होती हैं। भाजपा ने केजरीवाल के समस्या पैदा करने वाले इसी रवैये का लाभ उठाया। भाजपा ने दिल्ली में जोरदार राजनीतिक सफलता मुख्यमंत्री के दावेदार की घोषणा किए बिना हासिल की। भाजपा को इसका भी लाभ मिला कि उसकी चुनावी घोषणाओं को प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी गारंटी बताकर दिल्ली की जनता को आश्वस्त किया। भाजपा इसलिए भी दिल्ली में भी बाजी पलटने में सफल रही, क्योंकि उसने प्रभावी रणनीति के साथ आरएसएस के साथ बेहतर सामंजस्य बैठाया और एकजुटता का प्रदर्शन किया। गुटबाजी दिल्ली भाजपा की एक बड़ी समस्या रही है। उम्मीद की जाती है कि यह समस्या फिर नहीं उभरेगी और भाजपा भावी मुख्यमंत्री के पीछे एकजुट दिखेगी। चुनाव के समय आप की रंगत इसलिए फीकी दिख रही थी, क्योंकि उसका ज्यादातर समय आरोपों का जवाब देने में जाया हो रहा था। वह दिल्ली की समस्याओं के लिए केंद्र को दोष दे रही थी, लेकिन जनता को दिख रहा था कि आप सरकार अपने हिस्से के भी काम नहीं कर रही। दिल्ली की जनता को अपनी समस्याएं कम होने के स्थान पर बढ़ती दिख रही थीं। भले ही आप कैडर आधारित दल हो, लेकिन केजरीवाल ने धीरे-धीरे सारे संस्थापक सदस्य किनारे कर दिए। वह पार्टी के पर्याय बन गए। केजरीवाल जब दूसरों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते थे तो कहते थे कि इस्तीफा देकर खुद को निर्दोष साबित करो, लेकिन जब अपनी बारी आई तो उन्होंने इस नसीहत पर अमल नहीं किया। उन्होंने जेल से ही सरकार चलाने की जिद पकड़ी। उन्होंने मजबूरी में तब इस्तीफा दिया, जब सुप्रीम कोर्ट ने यह शर्त लगा दी कि जमानत के दौरान वह मुख्यमंत्री कार्यालय नहीं जा सकते। उन्होंने इस्तीफा देकर आतिशी को मुख्यमंत्री तो बनाया, लेकिन चुनावों के पहले यह कह दिया कि पार्टी जीतती है तो वह फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे। जेल जाने पर वह पत्नी सुनीता केजरीवाल को अपना उत्तराधिकारी बनाने की कोशिश करते दिखे थे। दिल्ली की सत्ता से बाहर हो जाने के बाद केजरीवाल की चुनौतियां बढ़ना तय है। देखना है कि वह दिल्ली में लगे झटके से उबर पाते हैं या नहीं?

भारत में आर्थिक विकास दर को 8 प्रतिशत से ऊपर ले जाने के हो रहे हैं प्रयास

विश्व के कुछ देशों में सत्ता परिवर्तन के बाद आर्थिक क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन होते हुए दिखाई दे रहे हैं। विशेष रूप से अमेरिका में राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प विभिन्न देशों को लगातार धमकी दे रहे हैं कि वे इन देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर कर की दर में वृद्धि कर देंगे। दिनांक 4 फरवरी 2025 से कनाडा एवं मेक्सिको से अमेरिका में होने वाले उत्पादों के आयात पर 20 प्रतिशत एवं चीन से होने वाले आयात पर 10 प्रतिशत का आयात कर लगा दिया है। वैश्विक स्तर पर उक्त प्रकार की उथल पुथल के अतिरिक्त रूस यूक्रेन युद्ध जारी ही है एवं कुछ समय पूर्व तक हमास इजराईल युद्ध भी चलता ही रहा था। वैश्विक स्तर पर उक्त विपरीत परिस्थितियों के बीच भी भारत, अपनी आर्थिक विकास दर को कायम रखते हुए, विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। हां, वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम दो तिमाहियों में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत एवं 5.3 प्रतिशत क्रमशः के आसपास रही है। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो आगे आने वाले दो दशकों तक आर्थिक विकास दर को 8 प्रतिशत से ऊपर रखना आवश्यक होगा। अतः केंद्र सरकार द्वारा भारत की आर्थिक विकास दर को इस वित्तीय वर्ष की दो तिमाहियों में दर्ज की गई लगभग 5.3 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को 8 प्रतिशत से ऊपर ले जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

अभी हाल ही में केंद्र सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन ने लोक सभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट पेश किया है। इस बजट के माध्यम से ऐसे कई निर्णय लिए गए हैं जिससे देश की आर्थिक विकास दर पुनः एक बार 8 प्रतिशत से ऊपर निकल जाए। दरअसल, आज देश में उत्पादों की मांग को बढ़ाना अति आवश्यक है जो पिछले कुछ समय से लगातार कम होती दिखाई दे रही है। इसके लिए आम नागरिकों के हाथों में अधिक धनराशि उपलब्ध रहे, ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं। जैसे, आयकर की सीमा को वर्तमान में लागू सीमा 7 लाख रुपए प्रतिवर्ष से बढ़ाकर वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 12 लाख रुपए प्रतिवर्ष कर दिया गया है। साथ ही, आय पर लगने वाले कर की दर को भी बहुत कम कर दिया गया है। इस प्रकार लगभग 1 करोड़ मध्यमवर्गीय करदाताओं को लगभग 1.10 लाख रुपए तक प्रतिवर्ष का अधिकतम लाभ होने जा रहा है। इस राशि से विभिन्न उत्पादों का उपभोग बढ़ेगा एवं देश की आर्थिक विकास दर में तेजी दिखाई देगी। हालांकि इससे केंद्र सरकार के बजट पर एक लाख करोड़ रुपए का भार पड़ेगा। परंतु, फिर भी बजटीय घाटा वित्तीय वर्ष 2024-25 में 5.8 प्रतिशत से घटकर वित्तीय वर्ष 2025-26 में 5.4 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। अतः देश की वित्तीय स्थिति को सही दिशा दिए जाने के सफल प्रयास हो रहे हैं।

विनिर्माण के क्षेत्र को गति देना भी आज की आवश्यकता है। राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन भी चलाए जाने का प्रस्ताव है। आज देश में एक करोड़ से अधिक सूक्ष्म, मध्यम एवं लघु उद्योग हैं जो 7.5 करोड़ नागरिकों को रोजगार उपलब्ध कर रहे हैं एवं भारत के कुल उत्पादन में 36 प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं तथा देश से होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात में भी 45 प्रतिशत की भागीदारी इन उद्योगों की रहती हैं। कुल मिलाकर भारत आज अपनी इन कम्पनियों को वैश्विक स्तर पर ले जाना चाहता है। भारत में आज निर्यात प्रोत्साहन मिशन को चालू किया जा रहा है ताकि भारत की कम्पनियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले। इसी प्रकार भारत को वैश्विक स्तर पर खिलौना उत्पादन के केंद्र के रूप में विकसित किये जाने के प्रयास भी किये जा रहे हैं। केवल एक दशक पूर्व भारत में खिलौनों का शुद्ध आयात होता था आज भारत खिलौनों का शुद्ध निर्यातक देश बन गया है। पिछले 10 वर्षों में भारत में खिलौनों के निर्यात में 200 प्रतिशत की वृद्धि एवं खिलौनों के आयात में 52 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है। भारत ने 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि के खिलौनों का निर्यात किया है।

भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन क्षेत्र का योगदान लगभग 5 प्रतिशत है। विशेष रूप से वाराणसी, श्री अयोध्या धाम, उज्जैन एवं महाकुम्भ, प्रयागराज में पर्यटकों के लिए विकसित की गई आधारभूत सुविधाओं के बाद इन सभी शहरों की पहचान धार्मिक पर्यटन के केंद्र के रूप में पूरे विश्व में कायम हुई है। आज आध्यात्म की ओर पूरा विश्व ही आकर्षित हो रहा है अतः भारत में अन्य धार्मिक केंद्रों को भी इसी तर्ज पर विकसित किया जाना चाहिए जिससे विभिन्न देशों के नागरिक भी इन धार्मिक स्थलों पर आ सकें एवं जिससे देश के धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए 2,541 करोड़ रुपए की राशि का आबंटन किया गया है जबकि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 850 करोड़ रुपए की राशि आबंटित की गई थी। भारतीय पर्यटन उद्योग का आकार 25,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है, जो कि बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। उत्तर पूर्व के राज्यों से लेकर जम्मू एवं कश्मीर तक 50 नए पर्यटन केंद्र विकसित किए जा रहे हैं। यह ऐसे पुराने पर्यटन केंद्र हैं जिनकी पहचान कहीं खो गई है।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी,एक विशेष समाधि अवस्था में,शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर,भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात् वर्णित किया है

(ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक, एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, शृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात देखा गाया, भगवान-राम का दिव्य जीवन)

भाग 4 गतांक से आगे

महाराजा शिव का उद्बोधन

महाराजा दशरथ ने उस समय कहा-हमारे मध्य में इस समय महाराजा शिव,वे हिमालय में राजा होते हुए भी महान तपस्वी है,इस समय विद्यमान है,उनका मार्गदर्शन भी हमें प्राप्त होना चाहिये। वे हमें ऐसा मार्गदर्शन देंगे, जिस मार्ग पर गति करते हुए मेरा राष्ट्र उन्नति की और बढ़ता चला जाये। इस पर महाराजा शिव ने तपस्वियों को नमस्कार करते हुए कहा कि-अयोध्या से मेरा बडा परस्पर समन्वय रहा है। हिमालय में होते हुए भी पूर्व काल से हमारे यहाँ जो वंशावली रही है,वह अयोध्या का उदगीत गाते हुए कि हमारे यहाँ शिव राजा भी होना चाहिये,तो मैं अपने यहाँ से कृतियों में गमन करता हुआ सभा-मण्डप में पधारा, हूँ यह मेरा सौभाग्य है। क्योकि वास्तव में यह राष्ट्र नही है,यह कर्तव्यवादियों का एक क्षेत्र है,कर्तव्यवादियों का यह एक वास है। यहाँ जो भी राजा हुआ है,उसने अपने अपने कर्तव्य का पालन किया हैं। जहाँ भी कर्तव्यवाद से विहीनता आयी है,वहीं राष्ट्र विनाश की और चला गया है। कर्तव्यवाद की चर्चा में, मै भी एक राजा हूं। जो हिमालय में वास करता हूं। अपने में मयार्दा की, धर्म की, प्रतिभा में और विज्ञान की महानता में जाता हुआ राष्ट्र ऊंचा उठाना हमारा कर्तव्य है यह मेरा बड़ा सौभाग्य है जो इस नामकरण की आभा में,इस यज्ञ मण्डप में मेरा आगमन हुआ। मै बड़ा ही आनन्दित होता हुआ,अपनी अन्तरात्मा से हर्ष ध्वनि करता रहता हूँ। मै यह उच्चारण करने के लिए आया हूँ कि माताओं ने त्याग और तपस्या से इन बाल्यों को जन्म दिया है,यह हम सभी का बड़ा सौभाग्य रहा है। तीनो राज्य-लक्ष्मियों के जब तक गर्भ में बालक पनपते रहे है,इन्होंने राष्ट्र के किसी अन्न ग्रहण नही किया है। उस अन्न को ग्रहण करते के लिए तप करती रही है, जिससे मन की उत्पति बाल्यों के हृदयों में जो मन व्याप रहा है,वह पवित्र बने, क्योंकि वेद की महत्ता कहती है कि मन की जो उत्पत्ति होती है,वह अन्न के द्वारा होती है,तो इनका अन्न इतना

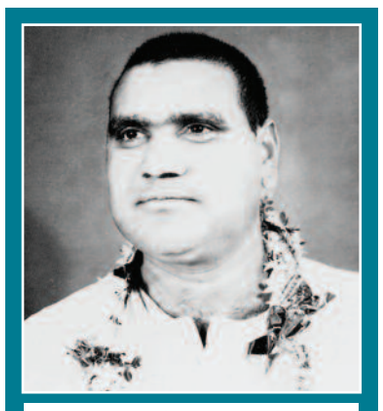

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

पवित्र रहा है। आगे चल करके ये राष्ट्र त्याग और तपस्या में परिणित होते रहेंगे। माताओं का जो सहयोग रहा है,माताओं का जा त्याग तप रहा है,वह कितना विचित्र रहा है। मैं समय समय मै कैकेयी के द्वार पर आता रहा हूं। कैकेयी ने अपने में निश्चय किया था,कि मै उस अन्नादि का पान कर रही हूँ,जिस अन्न के द्वारा मेरा यह मन और यह बाल्य जो शिशु के रूप मे पनप रहा है,वह मनोवृतियों में रत्त होता रहे। इस प्रकार उनका अप्रतिम,बड़ा सहयोग रहा है, इसी प्रकार का कौशल्या,सुमित्रा इत्यादि की वृतियों में रत्त रहा है। कैकेयी कौशल्या,सुमित्रा तीनों राजलक्ष्मियां अपने में रत्त रहीं है। राजा का भी इस सम्बन्ध में बड़ा तप रहा है,जब इनका पुत्रेष्टि यज्ञ हुआ था,उस समय भी मेरा यहाँ आगमन हुआ था।

मैने भी महर्षि शृंगी जी से तप को ग्रहण किया था। और इन राजलक्ष्मियों ने भी उन्हीं से ग्रहण किया था। पुरोहितों का मन्तव्य बड़ी महानता में रहा है। तो मेरे विचार में यह है कि इस राजा के राष्ट्र में, इस अयोध्या में,पुष्पांजलियां पवित्र होती रहें और पृथ्वी पर जितनी भी कुरीतियां हैं उन कुरीतियों का नाश करने वाले बाल्य होने चाहिये। माता की ऐसी शिक्षा हो,पिता की ऐसी शिक्षा हो,आचार्य कुल में जाएं,तो वहाँ भी ऐसी ही शिक्षा हो। कुरीतियां नष्ट हो और वैदिकता एक दार्शनिक रूप में रत्त होती रहे। सूर्य जब प्रातः काल उदय होता हैं, तो शिव कहलाता है, इसी प्रकार ये राजा भी शिव के समान कहलाने वाले हो और सबको महानता में रत्त करने वाले हो। त्याग और तपस्या में मेरा बड़ा विश्वनीय जीवन रहा है।

मै विचराता रहता हूँ, कि कोई भी राष्ट्र हो,समाज हो, मानव उससे तब तक नही बनते जब तक त्याग , तपस्या, प्रदर्शित नही होती। त्याग और तपस्या में मानव जीवन संलग्न हो जाता है,तो सब गृह पवित्रवाद की वेदी पर निहित हो जाते हैं। मेरे राष्ट्र में भी माताओं के प्रति मेरी बड़ी आस्था रहती है। मै विचारता रहता हूँ कि सब संसार की लोलुपता में न आ करके, अपने अपने कर्तव्य का पालन करना हैं । कर्तव्यवाद यही होता है,कि माता अपने गर्भस्थल से ले करके,लोरियों और नामकरण तक बाल्यों को महानता के उपदेश और संस्कार से संस्कारित कर दें, संस्कार जब बाह्य जगत में प्रस्तुत होते है,तो कर्तव्यवाद,राष्ट्रवाद के रूप मे उभर कर आते है। मानव अपने में अपनेपन की प्रतिभा का गान गाता रहे,मेरी तो यह कामना है । इस वायुमण्डल में मुझे ये विचार देने हैं,क्योंकि आगे चल कर ये बाल्य इस वायुमण्डल को स्पर्श करने वाले बनेंगें,यह उपदेश दे करके महाराजा शिव अपनी स्थली पर विद्यमान हो गये। क्रमशः.....

दिल्ली में भाजपा ने जीत की नई इबारत लिखी

दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए न केवल 27 साल के वनवास को खत्म करने में कामयाब हुई है बल्कि देश की राजधानी को एक नया विश्वास, नया जोश एवं गुड गवर्नेंस का भरोसा दिलाने को तत्पर हो रही है। निश्चित ही चुनाव मोदी के नाम पर लड़े गये और दिल्ली की जनता ने मोदी पर भरोसा जताया है। एक बार फिर मोदी का जादू चला एवं उनके करिश्माई राजनीतिक व्यक्तित्व ने नया इतिहास रचा है। दिल्ली में भाजपा ने जीत की नई इबारत लिखी है। दिल्ली में 11 साल के बाद डबल इंजन की सरकार बनने से दिल्ली की बुनियादी समस्याओं का हल होते हुए दिख रहा है, बल्कि दिल्ली के विकास की नई गाथा लिखे जाने की शुभ शुरूआत हो रही है। अब दिल्ली में न केवल वायु प्रदूषण दूर होगा, बल्कि यमुना नदी का प्रदूषण दूर करते हुए उसका कायाकल्प किया जायेगा। चुनाव परिणामों में आम आदमी पार्टी चुनाव को जिस तरह की हार का सामना करना पड़ा है उससे आप सिर्फ सत्ता से ही बेदखल नहीं हो रही बल्कि आप एवं केजरीवाल के राजनीतिक जीवन पर भी ग्रहण लगता हुआ दिखाई दे रही है। कांग्रेस के लिये भी अपनी राजनीतिक जमीन बचाने एवं सत्ता में वापसी का सपना बूरी तरह पस्त हो गया है।

दिल्ली की लगभग सभी सीटों पर मतदाताओं ने सुशासन, भ्रष्टाचार मुक्ति, विकास एवं मुक्त की सुविधाओं के नाम पर वोट डाले हैं। दिल्ली में मुस्लिम बहुल इलाके हों, गांधी नगर जैसे कारोबारी क्षेत्र हों या फिर पूर्वी दिल्ली का पटपड़गंज हो, या मुस्तफाबाद जैसे पिछडे.इलाके सभी जगहों पर आप को करारा झटका लगा है। हिन्दुत्व की ताकत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक एवं भाजपा की सुनियोजित चुनाव रणनीति ने भाजपा को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मोदी-शाह की जोड़ी ने करिश्मा कर दिखाया है। आप एवं कांग्रेस के दिग्गज नेताओं की हार ने तय किया कि राजनीति में राजशाही सोच, अहंकार एवं बड़बोलापन कामयाब नहीं है। दिल्ली के विकास मॉडल को पूरे देश में केजरीवाल सर्वश्रेष्ठ बताते रहे हैं, उसी दिल्ली की दुर्दशा, उससे जुड़े झूठे बयानों एवं तथ्यों के कारण आप हारी है।. इस तरह केजरीवाल की राजनीति पर मतदाताओं ने सवालिया निशाने लगा दिये हैं। केजरीवाल के लिये इन चुनाव परिणाम के बाद संकट के पहाड़ खड़े होने वाले है।

जिस अन्ना आंदोलन से अरविंद केजरीवाल का नाम पूरे देश में सामने आया। केजरीवाल ने उन्हीं अन्ना को नकार दिया था। दिल्ली चुनाव के रुझानों पर अन्ना हजारे ने कहा कि मैं बार-बार बताता गया, लेकिन उनके दिमाग में नहीं आया और वे शराब को ले आए। शराब यानी धन-दौलत से वास्ता हो गया।

अन्ना ने कहा कि चुनाव लड़ते समय उम्मीदवार को आचार शुद्ध होना, विचार शुद्ध होना, जीवन निष्कलंक और त्याग होना जरूरी है। अगर ये गुण उम्मीदवार में हैं तो मतदाताओं को उन पर विश्वास होता है। लेकिन केजरीवाल एवं आप के उम्मीदवारों में ये गुण दूर-दूर तक दिखाई नहीं देते हैं, यही आप की करारी हार का कारण बना है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल की परिस्थितियों में बड़ी समानता रही हैं, पर हेमंत की तरह केजरीवाल दिल्ली की जनता का दिल जीतने में नाकामयाब रहे। दिल्ली में आप की हार केजरीवाल के लिए एक बड़ा व्यक्तिगत झटका है, जिससे राजनीति में उनके भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं। दिल्ली का असर पंजाब की सियासत पर भी पड़ेगा। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी के विस्तार को लेकर अरविंद केजरीवाल की योजना धुंधली पड़ जायेगी। इंडिया गठबंधन के जो दल कांग्रेस के बजाय आम आदमी पार्टी के साथ खड़े थे, वो फिर से दूरी बनाते नजर आएंगे। इन चुनाव परिणामों ने कांग्रेस को भी आइना दिखा दिया है। उसने जिस तरह से भारत की सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय की भावना को दबाया, सनातन परंपरा को दबाया एवं मोदी विरोध के नाम पर देश-विरोध पर उतर आयी, यही मूल्यहीन राजनीति उसकी हार का कारण बनी।

अनेक वर्षों तक दिल्ली पर राज करने वाली कांग्रेस सत्ता में वापस आने के लिए इतनी बेचैन दिखाई दी कि वो हर दिन नफरत, द्वेष एवं घृणा की राजनीति करती रही है। कांग्रेस सांप्रदायिकता और जातिवाद के विष को दिल्ली चुनाव में भी उडेला। हिंदू समाज को तोड़ना और उसे अपनी जीत का फॉर्मूला बनाना ही कांग्रेस की राजनीति का आधार बना और यही उसको रसातल में ले जाने का बड़ा कारण बना है। कांग्रेस की जातिगत जणगणना की मांग भी उसकी विभाजनकारी नीति को ही दशार्ती रही है, जो उसके हार को सुनिश्चित करने का बड़ा कारण बना। एक राष्ट्रीय दल, सबसे पुराना दल, पांच दशकों तक देश पर शासन करने एवं दिल्ली में लगातार तीन बार सत्ता में रहने वाले दल को एक-दो सीटों पर ही उसकी जीत होना उसकी हास्यास्पद एवं लगातार कमजोर होने की स्थितियों को ही दर्शा रहा है। दिल्ली में कांग्रेस के तेवरों से साफ है कि मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने से रोकने में नाकामी के बाद उसने शायद अपने पुनरुत्थान के लिये दिल्ली के चुनाव को आधार बना लिया था, इसमें कोई बुराई नहीं, पर यह काम आसान नहीं रहा, कांग्रेस के सपने टूट कर बिखर गये। कांग्रेस की दिल्ली में दुर्दशा ने लगभग तय कर दिया है कि मतदाता की नजरों में उसकी क्या अहमियत है? कांग्रेस ने न केवल खुद को बल्कि इंडिया गठबंधन को भी जर्जर बना दिया है। यह एक पुरानी कहावत है कि देश जैसी सरकार के योग्य होता है, वैसी ही सरकार उसे प्राप्त होती है। दिल्ली में भी ऐसी ही सरकार बनने जा रही है, जो दिल्ली के हितों को प्राथमिकता देगी। दिल्ली में बीजेपी की जीत हुई, वह अधिक मजबूत होकर उभरी है, मोदी एवं भाजपा के प्रति जनता का विश्वास बढ़ा है। इसका असर बिहार के चुनाव में भी सकारात्मक होता हुआ दिख रहा है। राजशाही के विपरीत लोकतन्त्र में जनता के पास ही उसके एक वोट की ताकत के भरोसे सरकार बनाने की चाबी रहती है और ऐसा दिल्ली में होता हुआ दिखा है। दरअसल, जनता के हाथ की इस चाबी को अपने पक्ष में घुमाने एवं जीत का ताला खोलने के लिये यह मुफ्त की संस्कृति, विभाजनकारी राजनीति एवं सनातन-विरोधी स्वर ने आप एवं कांग्रेस को औंधे मुंह गिरा दिया है, इस गिरावट से उभरने की संभावनाएं भी दोनों दलों के लिये एक बड़ी चुनौती है।

दिल्ली के चुनाव एक महायुद्ध था, जो कितने ही मुद्दों को अपने में समेटे हुए रहा। यह अनेक नेताओं एवं दलों के अस्तित्व को बचाने का भी महासंग्राम था। चुनाव में जब सेवा-सुशासन का मूल उद्देश्य गायब हो जाता है, केवल दलगत स्वार्थ और सत्ता प्राप्ति की होड़ मुख्य हो जाती है तब दिल्ली जैसे अप्रत्याशित परिणाम ही सामने आते हैं। राजनीति में केजरीवाली प्रवृत्ति एक नई संस्कृति का स्थान लेती रही है, जिसने हमारे सभी नैतिक मूल्यों को तार-तार कर दिया था, बहुत चर्चा होती रही है कि दिल्ली के विकास में अनेक सुराख हो गये हैं, लोगों का सांस लेना दुश्वार हो रहा था तो यमुना प्रदूषित हो गयी थी, सड़के खड्डो में तब्दील हुई तो चिकित्सा-शिक्षा व्यवस्था चरमराई। इसलिए दिल्ली के जीवन को खतरा था। दिल्ली में ऐसे सुराख (ब्लैक होल) हो गये थे, जहां नेता पाप करके छुपते रहे हैं। आप नेताओं के दिमाग में सुराख ही सुराख हो गये थे, जिससे मवाद टपकता दिखाई देता था।

ये सब स्थितियां दिल्ली को अच्छे भविष्य की ओर नहीं ले जा रही थी, दिल्ली जब कीचड़ में थी, तब आप एवं उसके नेता एक कदम आगे बढ़ने के प्रयास में दो कदम पीछे फिसलते रहे। स्थितियों की इसी विपरीतता ने दिल्ली की जनता को जगाया, एक-एक व्यक्ति दिल्ली के व्यापक हित को अपने हित से ऊपर समझते हुए भाजपा को जीत का सेहरा बांधा है। निश्चित ही दिल्ली में नये सूरज का अवतरण हुआ है, और उसका भविष्य शुभ एवं श्रेयस्कर दिखाई दे रहा है।

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादक: चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइल: 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

व्यंग्य-

पुस्तक मेला और शैतान..

गिरीश पंकज

शैतान की चिंता जायज थी। तुर्रमखां अगर पुस्तक मेले में आया है, तो स्वाभाविक है कि कुछ किताबें ही खरीदेगा। और अच्छी किताबें ही खरीदेगा, फिर पढ़ेगा भी। तब हो सकता है कि बंदा सुधर जाए। किताबों के बारे में शैतान यह सुन ही चुका था कि अच्छी किताबें पढ़ने से आदमी इनसान बन जाता है। अगर यह भी बंदा इनसान बन गया, तो शैतान को इसके भीतर से बेदखल होना पड़ेगा। कहीं यह बंदा एक लाख के मोबाइल से सीधे आठ हजार के मोबाइल में न आ जाय ।

शैतान अचानक भन्ना गया। उसकी तो खोपडिया ही घूम गई । उसे अपने करमजले, नासपीटे किस्म के तुर्रमखां पर बड़ा गुस्सा आया। वह चीखा, 'पापी कहीं का। ..एक लाख का मोबाइल रखा हुआ है लेकिन आज इस की तो जैसे मती मारी गई। देखो, ये बंदा अचानक पुस्तक मेले में घुस गया? ...यह क्या बात हुई?'

शैतान की चिंता जायज थी। तुर्रमखां अगर पुस्तक मेले में आया है, तो स्वाभाविक है कि कुछ किताबें ही खरीदेगा। और अच्छी किताबें ही खरीदेगा, फिर पढ़ेगा भी। तब हो सकता है कि बंदा सुधर जाए। किताबों के बारे में शैतान यह सुन ही चुका था कि अच्छी किताबें पढ़ने से आदमी इनसान बन जाता है। अगर यह भी बंदा इनसान बन गया, तो शैतान को इसके भीतर से बेदखल होना पड़ेगा। कहीं यह बंदा एक लाख के मोबाइल से सीधे आठ हजार के मोबाइल में न आ जाय । और अचानक सादा जीवन, उच्च विचार जैसी घटिया बात करने लगे। क्या भरोसा। यह सोचकर ही शैतान की खोपड़ी घनघना गई। उसे चिंता होने लगी कि अगर तुर्रमखां इसी तरह से पुस्तक-प्रेमी हो गया, तो पट्ठा दिशाहीन हो जाएगा और फिर अच्छे मनुष्य की तरह हरकतें करने लगेगा। ..इसमें करुणा, दया, प्रेम, मानवता, ममता आदि-आदि के फालतू किस्म के चिरकुट-भाव जागने लगेंगे और जिस हृदय में ऐसी फालतू चीजें जाग्रत होने लगती हैं, वहां शैतान और उसकी बिरादरी वाले ज्यादा टिक ही नहीं पाते। फिर उन्हें किसी अन्य टुच्चे लोगों की तलाश करनी पड़ती है।

शैतान बहुत दिनों से बड़े मजे के साथ जीवन जी रहा था। उसे बहुत अच्छा लग रहा था कि उसका मालिक तुर्रमखां महंगे-से -महंगे मोबाइल का शौकीन है। इसे बहुत कीमती शराब पीने में मजा आता है । लग्जरी कार में घूमना इसे पसंद है। गरीबों को अपने से दूर रखता है। दान देने के नाम पर इसकी नानी मरती है। सुरा- सुंदरी पर हजारों खर्च कर देता है, मगर दो सौ रुपये की किताब भी खरीदनी पड़े तो फौरन कहने लगता है, 'बाप रे ! बड़ी महंगी है।' शैतान उसके इस महान आचरण से बड़ा खुश था, बिलकुल मोगेम्बो की तरह। लेकिन आज तो शैतान का दिमाग ही भन्ना गया कि अच्छा-खासा शख्स पुस्तक मेले में आकर अपनी मस्त-मस्त जिंदगी को तबाह करने पर तुल गया है !

शैतान भयंकर रूप से बेचैन हो गया। सोचने लगा, 'कुछ तो करना चाहिए, बाप, नहीं तो मेरा एक पल भी यहां रहना मुश्किल हो जाएगा'। उसने सोचना शुरू किया कि आखिर क्या किया जाय । अचानक उसने तुर्रमखां के दिमाग में कीड़ा भरना शुरू किया। जैसे ही दिमाग में कीड़े चलने लगे तो तुर्रमखां ने सोचा, 'अरे, इस वक्त तो मुझे मित्रों के साथ बार में बैठना था। ये मैं कहां घुसा चला रहा हूं, वो भी पुस्तक मेले में? हद है। चलो, वापस। पुस्तक मेले में तो फिर कभी आ जाएंगे। अभी तो बार में बैठना है, जहां बार-बाला बड़े प्रेम से जाम भरती है और शाम को रंगीन कर देती है ।'

तुर्रमखां फौरन पुस्तक मेले से लौटने लगा। यह देखकर शैतान ने ठहाका लगाया, ' हा-हा-हा, मैं कामयाब हो गया, वरना यह आदमी तो गया था काम से। और इसके चक्कर में मैं भी दो कौड़ी का हो गया होता।'

उसने प्रसन्न हो कर जोर-जोर से कहा, 'ओय तुर्रमखां, तुझे बहुत-बहुत धन्यवाद रे !!'

तुर्रमखां ने उसकी आवाज नहीं सुनी। वह बाहर निकलने लगा लेकिन अचानक उस को फिर न जाने क्या हुआ, वह मेले की तरफ मुड़ गया। इस बार उसके अंदर बैठे सज्जन ने जोर मारा था। उसने समझाया, 'बेटे, इतनी अच्छी जगह आया है तो दो-चार श्रेष्ठ पुस्तकें खरीद कर ही लौट और अपने जीवन को सफल बनाने की कोशिश कर न।'

तुर्रमखां मान गया। वह पुस्तक मेले की ओर जाने लगा। शैतान फिर बुरी तरह टेंशना गया। वह बड़बड़ाया, 'ओह शिट ! इस नालायक की तो पूरी बुद्धि ही पंचर हो गई है। लगता है, इसके भीतर मेरे अलावा भी कोई और बैठा है, जो इसे बरगला रहा है। कहीं वह खतरनाक सज्जन-मन तो नहीं, जो अकसर लोगों के दिमागों में घुस कर नेक राह दिखलाता रहता है। मैं इस सज्जन को बर्बाद करके रहूंगा।' शैतान बहुत गुस्से में था। वह जोर-जोर से चिल्ला रहा था कि 'अरे नासपीटे, मतिमंद !! ये क्या पागलपन कर रहा है? तू फौरन ही लौट जा । सुंदर बार-डांसर तेरा इंतजार कर रही है। वहाँ जा पगले। जहां जीवन का रस है। यहां मेले में तो बस किताबें-ही-किताबें हैं, जिसे खरीदने में पहले भी तुझे बड़ी तकलीफ होती रही । याद कर अपनी वो मानसिकता। क्यों तू अपने पैसे खत्म कर रहा है? जा, मदिरापान कर और फुल मस्ती में जीवन काट। ऐश कर।'

तुर्रमखां ने इस बार शैतान की नहीं सुनी। वह सीधे मेले में घुस गया । शैतान समझ गया कि आज यह पगला किताब-शिताब खरीद कर ही मानेगा। शैतान ने अब कोशिश की कि यह बंदा अब कोई गलत-सलत किताब ही खरीद ले और सुधरने से बच जाए लेकिन शैतान की एक न चली। तुर्रमखां ने कुछ अच्छी पुस्तकें खरीदीं और मेले से लौट गया । यह देख कर शैतान का दिमाग अब पूरी तरह से आउट हो गया। वह बड़बड़ाया, 'अब इस दू कौड़ी के आदमी के भीतर एक पल भी नहीं रहने का।' और वह फौरन वहां से छूमंतर हो गया। अब भीतर सहम-सहम कर बैठे सज्जन-मन ने इत्मीनान से अपने पैर पसार लिए।

कहानी-

अभिशाप

मधु मिश्रा

कुछ नहीं। वो धीरे से बोली मैंने जिज्ञासावश पूछा, क्या हुआ? तू तो बड़ी थकी थकी-सी लग रही है? उसने एक लम्बी सांस ली और फिर चुप हो गई। मैंने मूड बदलने के लिए हँसते हुए कहा, अरे यार खाली चाय नहीं दूंगी, साथ में कुछ खाने को भी दूंगी। और यह कहते हुए मैं चाय बनाने चली गई ।

मेरे ससुराल वालों ने सिर्फ आठ दिन में शादी करने का अल्टीमेटम दे दिया था। इसलिए किसी को भी अपनी शादी में नहीं बुला पाई। मैंने हंसते हुए कहा।

दिनभर का काम करके मैं थोड़ा फ्री हुई थी कि अचानक दरवाजे पर लगी घंटी घनघना उठी। दरवाजा खोला तो देखा बाहर अनु खड़ी थी। आज बहुत दिनों बाद मेरी सहेली अनु आज मेरे घर आई थी उसे देख कर मुझे बहुत खुशी हुई। ऐसा लगा मानो आज मुझे मेरा सारा जहाँ मिल गया हो। हम दोनों ऐसे गले मिले जैसे अब कभी अलग होंगे ही नहीं। सोफे की ओर इशारा करते हुए मैंने कहा चलो वहाँ बैठ कर ढेर सारी बातें करेंगे और फिर हम दोनों सोफे पर बैठ गए। बातों का सिरा अपने हाथ में लेते हुए मैंने पूछा, तू अकेले ही आई है !! जीजाजी साथ नहीं आये? वह बोली, हाँ !! बड़ी दूर से आई हूँ ना, जो तेरे जीजा को भी साथ लातीं। फिर हम दोनों ही जोर-जोर से हंसने लगे। मैंने पूछा, चाय पिएगी या कॉफी??

कुछ नहीं। वो धीरे से बोली मैंने जिज्ञासावश पूछा, क्या हुआ? तू तो बड़ी थकी थकी-सी लग रही है? उसने एक लम्बी सांस ली और फिर चुप हो गई। मैंने मूड बदलने के लिए हँसते हुए कहा, अरे यार खाली चाय नहीं दूंगी, साथ में कुछ खाने को भी दूंगी। और यह कहते हुए मैं चाय बनाने चली गई । मेरे पीछे-पीछे वो भी आ गई। कहने लगी, तू ज्यादा कुछ मत कर। मैं तो तुझसे सिर्फ बातें करने आई हूँ। मैंने कहा चाय पीते-पीते हुए बातें करेंगे। और इस बीच मैं चाय तथा साथ में गरमागरम पकौड़े लेकर आगई। मैंने कहा, अब बता तू क्या कह रही थी? वह शिकायत भरे लहजे में बोली, तूने मुझे अपनी शादी में क्यों नहीं बुलाया?? तो मैंने कहा, अरे यार !! मेरी शादी तो बड़ी हड़बड़ी में बहुत ही कम समय में ही झटपट हो गई थी। मेरे ससुराल वालों ने सिर्फ आठ दिन में शादी करने का अल्टीमेटम दे दिया था। इसलिए किसीको भी अपनी शादी में नहीं बुला पाई।

मैंने हंसते हुए कहा। उसने पूछा, कौन-कौन हैं तेरी ससुराल में? मैंने कहा, बस एक अदद सास को छोड़कर सभी हैं, मेरी ससुराल में। मेरा जवाब सुनकर वो मुस्कराई तो मैंने पूछा क्यों मुस्कराई? कुछ नहीं। कुछ नहीं। बात को टालते हुए वह कहने लगी। मैंने कहा, अच्छा !! तू बता तू कैसी है? वह बोली, मेरी तो कुछ मत पूछ। मेरे ससुराल वाले तो मुझे कुछ समझते ही नहीं हैं। मैं जो भी करती हूं वही उन्हें बुरा लगता है। मैंने फिर पूछा कि, जीजाजी तो ठीक हैं? उसने बड़ी ठंडी सांस भरते हुए कहा, हाँ !!ठीक हैं। मैंने देखा कि इतना कहते हुए, उसकी ऑखें भर आई हैं। मैंने उसका मूड बदलते हुए कहा, अरे अनु !! सुन !! मैंने तुझे एक बात तो बताई ही नहीं। वह चहकते हुए बोली, क्या? मैंने देखा कि कौतुहल में उसने अपने आंसू पोंछ लिए थे। मैंने कहा, सुन !! एक दिलचस्प बाकया सुनाती हूँ, जब मेरी शादी हुई और मैं ससुराल आई तो मेरे पति जी ने दूसरे दिन कहा, चलो तैयार हो जाओ। हम लोग कहीं घुमने चलते हैं।

उत्साह में जल्दी जल्दी मैं अपनी दोनों चोटी बनाने लगी। तो ये शरारतभरे अंदाज में बोले, अरे !! अभी तक तुम अपनी चोटी भी नहीं बना पाई। लाओ मैं बना देता हूँ। यह कहते हुए उन्होंने मेरे हाथ से कंघा ले लिया। मैंने भी सहजता में कंघा उन्हें दे दिया। लेकिन ये क्या? इन्होंने तो मेरी एक चोटी ही काट दी। मैं कुछ बोली नहीं। बस बच्चों की तरह रोने लगी। मेरी बात सुनकर अब अनु जोर-जोर से हंसने लगी और हँसते-हँसते मुझसे पूछने लगी, फिर क्या हुआ? मैंने लंबी सांस लेते हुए कहा, फिर क्या होना था। मजबूरी में दूसरी चोटी नाई से जाकर मुझे कटवानी पड़ी। इस किस्से को सुनकर अनु जोर-जोर से हंसने लगी। मैं खुश थी कि अब अनु के चेहरे से उदासी हट चुकी थी। मैंने बातों का सिलसिला आगे बढ़ाते हुए कहा, अब तू बता तेरे क्या हाल हैं? ठंडी सांस लेते हुए अनु बोली, मेरी तो तू कुछ न पूछे। सब कुछ ठीक होते हुए भी कुछ भी ठीक नहीं हैं। मैंने कहा, ऐसा क्यूं बोल रही है? वो बोली, क्या बताऊँ, मुझसे तो मेरे ससुराल वाले बिलकुल भी खुश नहीं हैं। भगवान कभी किसीको गरीब न बनाये।अब देखो न मेरी ससुराल वाले जो चाहते हैं, वो मेरे घरवाले दे नहीं सकते। बस यही परेशानी है और कुछ नहीं। मैंने उसे समझाते हुए कहा, अरे !! ऐसा नहीं होता है। तू मुझसे ज्यादा गरीब तो बिलकुल नहीं है। मेरे तो पिताजी भी नहीं हैं। और हम एक नहीं छह-छह बहनें हैं। सभी की शादी हमारे बाबा और चाचाओं ने मिलकर की थी फिर भी मुझे तो कोई परेशानी नहीं हुई। तुम्हारे ससुराल वाले जरूर लालची होंगे। मैं समझ नहीं पाई कि अनु मेरी बात सुन भी रही है या नहीं। वो तो लगातार बस आंसू ही बहाये जा रही थी। मैंने उसे गले से लगाया और कहा, अनु !! तू हिम्मत न हार। सब ठीक हो जाएगा। मैं तेरे पति से बात करुँगी। वह मुझे झिंझोड़ते हुए बोली, नहीं ! नहीं ! तू उनसे कुछ भी नहीं कहेगी वर्ना मेरा तो तेरे घर भी आना बंद हो जाएगा। अभी हम दोनों बातें ही कर रहे थे कि इतने में उसका बेटा भागा-भागा आया और बोला, मम्मी जल्दी चलो। पापा घर आ गए है। वो हड़बड़ाते हुए जल्दी से उठ खड़ी हो गई। जाते-जाते हाथ हिलाकर कहती गई कि फिर जल्दी मिलते हैं। वह चली तो गई पर मुझे बहुत परेशान कर गई। मैं सोचने लगी ऐसा क्या है जो अनु इतनी परेशान है। उसका रोना मुझे बार-बार परेशान कर रहा था। इतने में मेरे प्राणनाथ जी की आवाज आई, कहाँ हो?? मैं प्यार भरे लहजे में बोली, आई। मैं यहीं हूँ। और फिर मन ही मन भगवान से यह प्रार्थना करने लगी कि हे भगवान-!! कभी किसीको को गरीबी मत देना मगर फिर भी बार-बार मेरे मन में एक प्रश्न लगातार सिर उठाता रहा कि जो लालची है उससे ज्यादा गरीब कौन होता है। गरीब तो संतोषी हो भी सकता है मगर लालची तो आजन्म दरिद्री ही रहता है। अब देखिए ना मैं गरीबी में भी सुखी हूँ मगर अनु के लालची ससुराल वाले पैसेवाले होने के बावजूद भी न केवल खुद दुखी हैं बल्कि दूसरों को भी दुखी किए हुए हैं। सच !! लालच से बड़ा अभिशाप कोई नहीं।

मानव की चेतना को पुनजार्गृत करता है कुंभ पर्व

भारती शास्त्री

पुराणों में कथा आती है कि समुद्रमंथन से चौदह रत्नों की प्राप्ति हुई, जिसमें मंथन के अंत में अमृतकलश लेकर भगवान धन्वंतरि प्रगट हुए तो उनके हाथोंसे देवराज इंद्र का पुत्र जयंत अमृतकलश छीनकर आकाश में उड़ गया, जिसे दैत्यों ने जयंत से छीन लिया। इस प्रकार देव और दानव, दोनों ही उस पर अपना अधिकार बताने लगे। परिणाम स्वरूप दोनों पक्षों का युद्ध हुआ और इस युद्धकाल में पृथ्वी के चार स्थानों (प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक) पर अमृतकुंभ गिरा था, उस समय चंद्रमा, सूर्य और बृहस्पतिने अमृत कलशकी रक्षा की थी। जहां जहां अमृतकलश गिरा, वहां वहां अमृत की कुछ बूंदें पड़ने से वह क्षेत्र तीर्थ में परिवर्तित हो गए....और वहां ज्योतिषीय गणनानुसार कुंभ पर्व मनाया जाने लगा।

कुंभ का शाब्दिक अर्थ है घट....बोलचाल की भाषा में जिसे घड़ा कहा गया। ज्योतिष क्षेत्र में एक राशि भी कुंभ है...जिसका स्वामी शनि कहा गया है।...और कुंभ एक पर्व भी है, जो बृहस्पति की बारह वर्षीय सूर्य परिक्रमा पूर्ण होने पर मनाया जाता है। इस प्रकार मकर संक्रांति के दिन, जब सूर्य चंद्रमा वृश्चिक राशि में और बृहस्पति मेष राशि में प्रवेश करते हैं तो प्रयाग में कुंभ स्नान का शुभ मुहूर्त प्रारम्भ होता है और कुंभ पर्व मकर संक्रांति से महाशिवरात्रि तक चलता है।

सनासन संस्कृति में अपना विशेष स्थान बनाने वाले कुंभ पर्व का सांस्कृतिक चेतना से गहन संबंध है। यह अद्भुत साम्य, करोड़ों सनातन पुत्रों को एकसाथ जोड़ देता है। यह पर्व सभी जातियों और वर्णों की विभिन्नताओं को एकता के सूत्र में बांधकर सनातन के वैभव का स्मरण कराता है और चेतना को पुनजार्गृत करता है। एक साथ करोड़ों हाथ जुड़ जाते हैं अपने इष्ट की प्रार्थना में, उपासना में, एक ही नाद से सब एकरस हो जाते हैं...न कोई ऊंचा रहता है और न कोई नीचा...सब बराबर, सब साथ साथ होकर वेदों की ऋचाओं के नाद 'संगछध्वं संवदध्वं' को साकार करते हैं।...इस अद्भुत सांस्कृतिक महोत्सव में राजा और प्रजा सभी एक हो जाते हैं...सबकी चेतनाएं एकदूसरे को प्रभावित करती हैं और ऊर्जस्वित होती हैं। जैसे जैसे सबकी चेतना जागृत होती है, तपोपूत होती है...एक चुंबकीय प्रभाव पर्यावरण में उत्पन्न होता है, जिससे ईश्वरीय शक्तियों का सान्निध्य सभी को मिलने लगता है। ...और सामूहिक आवाहन से शक्ति एक बड़े तीर्थ क्षेत्र का निर्माण कर देती है, जिसमें पापों को नष्ट करने की क्षमता होती है। इसीलिए कुंभस्नान स्वयं में अनूठी आध्यात्मिक घटना होती है...जिसके मूल में घट होता है....

ईश्वर ने प्राणीमात्र में एक अमृत का बीज लगाकर भेजा है, जिसे आत्मा कहा गया है। आत्मा न कभी उत्पन्न होता है और न ही मृत्यु को प्राप्त होता है...कुंभ पर्व आत्मा को पोषित करने का पर्व है...जैसे अमृतकलश में रखा अमृत देवताओं ने पान किया, ऐसे ही कुंभ क्षेत्र में तपस्वियों और साधकों के स्नान करने से गंगा यमुना और गुप्त सरस्वती द्वारा सेवित प्रयागराज का जल और भी अधिक पवित्र हो जाता है...जिसमें स्नान करने से पापक्षय हो जाता है और पुण्योदय होता है। इसलिए सभी शास्त्रों ने प्रयागराज के संगम में स्नान का विशेष गुणगान किया है।प्रयागराज के कुंभ स्नान से आत्मा और मन भी पवित्र हो जाता है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा था कि शरीर स्नान से शुद्ध होता है और मन सत्य से शुद्ध होता है। ...यहां स्नान करने से शरीर शुद्धि तो होती ही है, मन भी तीर्थ की पवित्रता को पाकर शुद्ध हो जाता है।

गजल- रहजन ही नजर आये हैं...

अमित चितवन

रहजन ही नजर आये हैं रहबर नहीं देखा
मंज़िल को कभी पाने का मन्जर नहीं देखा

उसने तो जिसे काटा है बातों से ही काटा
उसके तो कभी हाथ में खन्जर नहीं देखा

तुम डूबके देखो कभी आंखों में हमारी
फिर कह न सकोगे कि समन्दर नहीं देखा

हमसे है जुड़ी शायरी कुछ इस तरह साहब
घर ही में रहे और कभी घर नहीं देखा

सहमी है गली सहमी सड़क सहमा नगर है
पहले तो किसी दौर में ये डर नहीं देखा

इस दिल में लिखा क्या है तुम्हें कैसे बताऊं
इस दिल को कभी तुमने तो पढ़कर नहीं देखा,

गीत- भीतर झर गया मोगरा

मधु प्रसाद

अनुबंधित पल बहुत प्रबल हैं
दूरी बस केवल अनुमानित।
जोग कहाँ साधेगा संयम
विरहानल प्रेमिल अनुवासित।

मृदुल मदन ने केश संवारे
भावुकता ने ली अंगड़ाई ।
पोर -पोर थिरकन उठ बैठी
कोष्ठक में गूँजे शहनाई।
प्राण-बाँसुरी तान ताल में
कोमल यादें हैं ऊर्जायित।

संप्रेषित साँसें करतीं हैं
देह गंध ने बहुत सताया।
जाने कौन क्षणों का याचन
कोछा में फागुन भर लाया।
रंगोज्वलित हुआ अंबर है
राग -रागिनी रस अनुप्राणित।

समीकरण की हर उलझन को
पुरवा हँस कहती अनुरंजित।
ढाई आखर की पोथी का शब्द-शब्द
सावन ने संदेश भेजकर
तय कर दी सीमा अभिलाषित।

विगत दिनों की पदचापों में
शंख सीप नदिया की हलचल।
समासीन सपने अचरज में
आकर्षण का गहरा निज तल।
तारे सजा रहे रजनी को
अरुणोदय लगता अभिकांक्षित।

चार बसंती दिन हों घोषित
प्रियतम!क्षण-क्षण हो अभिसारी।
सौम्य चाँदनी तनिक ठहरना
आलिंगन में आँखें वारी।
भीतर तक झर गया मोगरा
परमानंद लगे संभावित।

कविताएँ प्यारे विक्रम

यशपाल सिंह

हमने छोड़ा था तुम्हें बस कक्ष तक
पहुँचना था खुद तुम्हें अब लक्ष्य तक
मार्ग यहां तक भी कहां आसान था?
इसी आगे पर निपट अनजान था
दक्षिणी ध्रुव का निशाना था कठिन
उस सतह पर उतर पाना था कठिन

बढ़ रहे थे तुम मगर निर्भीक से
राह पर अंतिम चरण तक ठीक से
अब जो मुश्किल काम करना था वहां
तुमको आहिस्ता उतरना था वहां

वेग था ज्यों ज्यों तुम्हारा घट रहा
एक पल यहां एक पहर सा कट रहा
जो इरादा चाँद को छूने को था
स्वप्न पूरा आज वो होने को था

छोड़ दोगे चाँद पर प्रज्ञान को
दोगे एक मंजिल नई विज्ञान को
ढूंढ लोगे जल कहां जीवन कहां
और खनिज मौजूद क्या-क्या किस जगह

सामने अब चंद्रमा का छोर था
एक मिनट का रास्ता बस और था
तब न जाने क्या यकायक घट गया
तुमसे हर संपर्क अपना कट गया

सांस जहां का तहां सभी का थम गया
था जहां उल्लास, छा मातम गया
गर्व के बाजू अचानक झुक गए
प्यारे विक्रम तुम कहां पर रुक गए

क्या कहीं अंतरिक्ष में तुम खो गए
चाँद के आगोश में या सो गए
भूल या कुछ हो गई विज्ञान से
तुम गए टकरा किसी चट्टान से

खैर जो भी हो गया कुछ गम नहीं
जो हुआ उपलब्ध वो कुछ कम नहीं
भेंट बेशक आज विक्रम चढ़ गया
एक कदम विज्ञान आगे बढ़ गया
ऑर्बिटर नभ का परिंदा है अभी
और अपना ख्वाब जिंदा है अभी

(दोहा छन्द) कुम्भ के प्रकार

नन्दिता माजी शर्मा

आओ जाने हम सभी, कितने कुम्भ प्रकार।
अंतराल के भेद से, कुम्भ योग है चार।

(कुम्भ)

पावन भारत भूमि पर, बजे कुम्भ का नाद।
आयोजित होता सदा, तीन वर्ष के बाद।।

(अर्धकुंभ)

आता हर छः वर्ष में, अर्धकुम्भ का योग,
संगम के शुभ धाम को, उमड़े लाखों लोग।।

(पूर्ण कुम्भ)

बारह बरसों बाद ही, पूर्ण कुम्भ का घोष।
संगम घाटों में धुले, पाप कर्म के दोष ।।

(महाकुम्भ)

आता मंगल योग यह, शत चव्वालिस बाद।
सारे भारत में बजा, महाकुम्भ का नाद।।

यू.पी. ऑब्जर्वर साहित्य संवाद पृष्ठ के साहित्य संपादक अंतर्राष्ट्रीय साहित्यकार कवि पंडित सुरेश नीरव हैं।

विधायक नंदकिशोर गुर्जर व पार्षद शीतल चौधरी ने किया पैठ दुकानदारों का नेतृत्व

साप्ताहिक पैठ बंद करने पर सैंकड़ों दुकानदारों का जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। पुलिस कमिश्नर के आदेश पर जनपद के विभिन्न इलाकों में सड़क किनारे लगाये जाने वाले साप्ताहिक पैठ बंद कराने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। शुक्रवार को लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर व गाजियाबाद नगर निगम पार्षद शीतल चौधरी के नेतृत्व में सैंकड़ों पैठ दुकानदार जिला मुख्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया और जिला प्रशासन को एक ज्ञापन सौंपा। विधायक लोनी विधायक नंद किशोर गुर्जर ने जिला प्रशासन को तीन दिन का समय देते हुए कहा कि इस अवधि में प्रशासन नगरायुक्त के साथ मिलकर पैठ बाजार लगाने के स्थान निर्धारित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसा नहीं होता है तो फिर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इससे पहले लोनी व जनपद के दूसरे स्थानों से आये सैंकड़ों पैठ दुकानदार नवयुग मार्केट स्थित अम्बेडकर पार्क में एकत्रित हुए।

वहां मौजूद विधायक नंद किशोर गुर्जर व पार्षद शीतल चौधरी को उन्होंने अपनी समस्या बताई कि किस तरह से पैठ बाजार बंद होने से उनके सामने परिवार पालने के लिए मुश्किल पैदा होने लगी हैं। वहां से ये सैंकड़ों दुकानदार इन दोनों नेताओं की अगुवाई में अम्बेड़कर पार्क से पैदल पुराना बस अड्डा से हापुड़ रोड से होते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे थे।

गौरतलब है कि इस मामले गुरुवार को जहां लोनी विधायक नंद किशोर गुर्जर ने पैठ दुकानदारों का समर्थन करते हुए लोनी में सड़क पर सब्जी का ठिया लगाकर करीब एक घंटे तक सब्जी बेची थी? वे इस मामले को लेकर काफी मुखर हैं। उन्होंने कहा कि वे किसी भी कीमत पर गरीब दुकानदारों के साथ नाइंसाफी नहीं होने देंगे।

लोनी विधायक नंद किशोर गुर्जर की घोषणा से मचा हड़कंप

पैठ लगाने की अनुमति मिलने पर ही जूते-चप्पल पहनूंगा और अन्न करूंगा ग्रहण: नंदकिशोर गुर्जर

गाजियाबाद। जिला मुख्यालय पर पैठ दुकानदारों को संबोधित करते हुए भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर ने कहा ऐसी घोषणा कर दी जिससे वहां मौजूद अधिकारियों में हड़कंप मच गया। नंद किशोर गुर्जर ने कहा कि साप्ताहिक पैठ बंद होने से दो लाख गरीब लोगों प्रभावित हुए हैं, वे इन पैठ दुकानदारों के परिवार के लोगों को भूखा मरते हुए नहीं देख सकते। जब तक इन पैठ बाजार बंद करने का आदेश वापस नहीं होता तब तक वे न तो पैर में चप्पल पहनेंगे और न ही अन्न ग्रहण करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अधिकारी सपा के एजेंट के तौर पर काम कर रहे हैं। लोनी विधायक ने पुलिस कमिश्नर के पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने एक साजिश के तहत दिल्ली विधान सभा चुनाव में भाजपा को नुकसान

पहुंचाने के लिए गाजियाबाद में पैठ बाजार बंद करने के आदेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि जनपद में तैनात कुछ अधिकारी मोदी व योगी की छवि खराब करने के लिए जनता के हितों को नजरअंदाज करके मनमाने ढंग से जनविरोधी निर्णय लेकर सरकार की बदनामी करने का काम कर रहे हैं। एक तरफ मोदी सरकार गरीब लोगों को स्वरोजगार के लिए ऋण दे रही है, वही गाजियाबाद के पुलिस कमिश्नर गरीब लोगों को रोजगार बंद करने पर तुले हैं।

पुलिस ने पहले ई रिक्शा के मुख्य सड़कों पर चलाने का प्रतिबंध लगाकर हजारों ई-रिक्शा चालकों का रोजगार छीनने का प्रयास किया और अब पैठ बंद करवाकर लाखों गरीबों की रोजी रोटी छीनने का काम किया है। विधायन के कहा कि वे अपने जीते जी गरीबों पर जुर्म नहीं होने देंगे। इसके लिए विधानसभा में आवाज उठाने के साथ ही हर स्तर पर गरीबों के हितों की लड़ाई की आवाज बुलंद करते रहेंगे।

नि:शुक्ल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

कैंसर, शुगर, रक्तचाप और नेत्र जांच की गई और मोतिया बिंद का निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

दिल्ली। स्वर्णकार सुरभि चैरिटेबल वेलफेयर ट्रस्ट पंजीकृत, शाहदरा, दिल्ली द्वारा आयोजित दूसरे निःशुल्क स्वास्थ्य कैम्प में 267 नेत्र जाँच 117 चश्मे और दवाई निःशुल्क उपलब्ध कराई गई। 28 रोगी मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयन किए गए। 128 रोगियों के दांत जाँच और दवाई निःशुल्क उपलब्ध करवाई गई। 42 रोगी बीपी हार्ट और 17 रोगी कैंसर परामर्श हेतु तथा 135 रोगियों की शुगर और कोलेस्ट्राल की निःशुल्क जाँच की गई। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के केबिनेट मंत्री गोपाल राय मुख्य अतिथि रहे। श्रीमती प्रियंका सक्सेना, अशोक कुमार प्रिंस, डा. कंवर विक्रम, डॉ. हिमांशु वर्मा, डा यश सिंघल, पैथोलॉजी लैब और तारा संस्थान की टीम (नेत्र जाँच मोतियाबिंद ऑपरेशन) का सहयोग रहा। इस अवसर पर कंवर अशोक, हरस्वरूप भामा, बृजपाल वर्मा, राकेश कुमार शर्मा, दिलीप शर्मा, अभिषेक जैन, अनिल वर्मा, राजेन्द्र सोनी, सोनू वर्मा, सुरेंद्र सिंघल, संजय गुप्ता, मंगल भामा, दिनेश कुमार वर्मा आदि ने आयोजन में सहयोग प्रदान किया।

अथर्वा आदित्य सेवा संस्थान द्वारा चिकित्सा शिविर का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

कोटा। अथर्वा आदित्य सेवा संस्थान द्वारा चिकित्सा शिविर गीता भवन सरोवर रोड रामपुरा में आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न प्रकार से मानव सेवा उपचार एवं जांच के साथ निःशुल्क नेत्र जांच शिविर एवं ऑपरेशन का कार्य सानंद संपन्न हुआ। इस अवसर पर 200 से अधिक लोग लाभान्वित हुए। डॉ. शुभम दाधीच फिजियोथैरेपिस्ट एवं उनके सहायक ने 40 रोगियों को पीड़ा से मुक्ति दिलाने हेतु सेवा दी। रेटीना पर्दे की जांच डॉ. दीपेश छबलानी द्वारा की गई। राधा कृष्ण हॉस्पिटल के डॉ कमलेश, सहायक सुनीता, गिरिराज गौचर, अंकित मित्तल ने आदि ने रक्तचाप, मधुमेह और नेत्र की जांच की। डा. सुधीर गुप्ता जी के सहायक अनिकेत, मोतियाबिंद जांच की। होम्योपैथी डॉ मुकेश दाधीच एवं उनके सहायकों ने 30 लोगों का उपचार किया । 60 नेत्र रोगी, मोतियाबिंद ऑपरेशन के योग्य पाए गए उनका ऑपरेशन 4 फरवरी को किया जाएगा।

अपने उद्बोधन में मुख अतिथि विवेक राजवंशी ने कहा कि हमें गरीबों मानवों हित में ऐसे कार्य निरन्तर करते रहना चाहिएं। संस्था की कोषाध्यक्ष श्रीमती खुशबू दाधीच ने बताया कि इस अवसर पर 15 चिकित्सकों को उत्तम सेवाएं प्रदान करने हेतु मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। अध्यक्षता अथर्व आदित्य सेवा संस्थान के संस्थापक आदित्य कुमार शास्त्री द्वारा की गई। कार्यक्रम का संचालन संयोजक गीतिका शर्मा ने किया। अथर्वा आदित्य सेवा संस्थान के पदाधिकारीयों में आरती शर्मा, महेंद्र पांडे, आशीष दाधीच, जयकुमार शर्मा ,महेंद्र कुमार मित्तल ,आयुषी दाधीच ,उप संयोजक परमानंद गर्ग ,गीता भवन के प्रबंधक अशोक शर्मा, आदि कई गणमान्य प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

मेरठ साउथ और शताब्दी नगर के बीच नमो भारत ट्रेन का हुआ ट्रायल

गाज़ियाबाद। गाज़ियाबाद और मेरठ के बीच निमार्णाधीन भारत के प्रथम नमो भारत कॉरिडोर को परिचालित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, एनसीआरटीसी ने आज, 9 फरवरी 2025 से मेरठ साउथ और मेरठ के शताब्दी नगर के बीच के अतिरिक्त 6 किलोमीटर के सेक्शन पर ट्रायल रन आरंभ कर दिया। इसके साथ ही, नमो भारत ट्रेनें परिचालित कॉरिडोर को मेरठ शहर के केंद्र के और नजदीक ले आएँगी। ट्रायल के दौरान, सिविल संरचना की अनुकूलता की जांच करने के लिए नमो भारत ट्रेनों को आरंभ में मैन्युअल रूप से संचालित किया जाएगा। परीक्षण की इस प्रक्रिया में, एनसीआरटीसी ट्रेन के एकीकृत प्रदर्शन और सिग्नलिंग, प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर (पीएसडी), ओवरहेड सप्लाई सिस्टम आदि जैसे विभिन्न उप-प्रणालियों के साथ इसके समन्वय को सत्यापित करने के लिए मूल्यांकन करेगा। जैसे-जैसे परीक्षण आगे बढ़ेंगे, हाई-स्पीड टेस्ट सहित व्यापक ट्रायल रन किए जाएँगे। 6 किलोमीटर के इस अतिरिक्त खंड में शताब्दी नगर नमो भारत स्टेशन के अलावा परतापुर और रिठानी के दो मेट्रो स्टेशन भी होंगे।

वेटलैंड की सुरक्षा हमारे जीवन के लिए बहुत ही आवश्यक है: भारत भूषण गर्ग

- वेटलैंड बचेंगे तो ही मानव जीवन बचेगा : करण सिंह

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गढ़मुक्तेश्वर। ब्रिजघाट वन विभाग गढ़मुक्तेश्वर एवं लोक भारती के तत्वाधान में वेटलैंड डे का कार्यक्रम स्कूली बच्चों को गंगा भ्रमण के मध्यान साइबेरियन पक्षियों के विषय में विस्तार से बताते हुए बायोडायवर्सिटी पार्क में मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि पर्यावरणविद भारत भूषण गर्ग ने सभी बच्चों को साइबेरियन पक्षियों के विषय में विस्तार से अवगत कराते हुए बताया कि यह पक्षी साइबेरिया में अधिक ठंड पड़ने के कारण से शीत ऋतु में यहां आ जाते हैं यहां का वातावरण उनके लिए अनुकूल होता है।

यह हम सबके लिए भी बहुत हर्ष का विषय है कि इन्होंने अपने रहने के लिए हमारा यह क्षेत्र चुना है क्योंकि व्यक्ति हो या पशु पक्षी अथवा जलचर वह उसी स्थान पर रहना पसंद करता है जहां उसके रहने के अनुकूल वातावरण तथा सुरक्षा की गारंटी होती है। उन्होंने सीगल पक्षी के विषय में बताया कि यह पक्षी समुद्री जहाज के साथ-साथ चलकर समुद्र में भारत की सीमाओं के निकट पहुंचता है वहां से वह यहां की उड़ान भरता है।

वेटलैंड डे के विषय में बच्चों को संबोधित करते हुए वन क्षेत्र अधिकारी करण सिंह ने बताया की आने वाला समय जल के संकट का है और इसका अभी से यदि उपाय नहीं किया गया तो वह दिन दूर नहीं है कि हम सब लोग पानी की कमी के कारण से बे मौत मरने लगेंगे उन्होंने पानी के अधिक दोहन पर गंभीर चिंता प्रकट करते हुए बच्चों को बताया की पानी के भंडारण का एक बहुत बड़ा स्रोत वेटलैंड होते हैं तभी तो वेटलैंड की सुरक्षा की चिंता हमसे पूर्व के लोगों ने की अतः हम सबको इस अवसर पर वेट लैंड की सुरक्षा के साथ-साथ प्लास्टिक मुक्त नदी एवं पानी की बबार्दी को रोकने की ओर विशेष ध्यान देना होगा इस अवसर पर गंगा सेवक मूलचंद आर्य डिप्टी रेंजर सभा उल हसन शुभम चौहान गौरव कुमार उत्कर्ष शर्मा राजेंद्र कुमार यथार्थ भूषण आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मैजिक से भाजपा की हुई जीत

मंत्री नरेंद्र कश्यप के आवास पर मना जीत का जश्न और हुई आतिशबाजी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली में सरकार बनी है और सरकार बनने के बाद बवाना विधानसभा सीट की कमान संभालने वाले उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप के सेक्टर- 23 स्थित आवास पर कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने दिल्ली में हुई जीत का जश्न मनाया। इस दौरान लोगों ने उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप को मिठाई खिलाई और आतिशबाजी कर जीत का जश्न मनाया।

इस मौके पर उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा है कि दिल्ली की जनता ने सही और श्रेष्ठ को चुना है। जनता ने बताया कि दिल्ली को किस तरीके से 10 सालों से ठगा जा रहा था।

एग्जिट पोल ने ही बता दिया था भाजपा के पक्ष में आएगा परिणाम

उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा है कि जिस तरीके से दिल्ली चुनाव का एग्जिट पोल आया था, उसने ही बता दिया था कि दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से जनता ने खुलकर भाजपा का साथ दिया है और खुलकर वोट भाजपा के खाते में डाले हैं, उससके प्रधानमंत्री सहित उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने से अब विकास शुरू होगा।

दिल्ली की जनता ने केजरीवाल को सिखाया सबक

उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा है कि दिल्ली की जनता ने भ्रष्टाचार में डूबे केजरीवाल और उनकी सरकार को सबक सिखाया है।

जिस तरीके से दिल्ली में सरकार काम नहीं कर रही थी और जनता परेशान थी, उसका नतीजा भाजपा की जीत है।

डीआईजी कलानिधि नैथानी ने पुलिस कार्यालय की समस्त शाखाओं का किया वार्षिक निरीक्षण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

हापुड़। डीआईजी कलानिधि नैथानी ने पुलिस कार्यालय की समस्त शाखाओं का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिनस्थ पुलिस अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। डीआईजी कलानिधि नैथानी एवं एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने पुलिस कार्यालय का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुलिस कार्यालय पर स्थित आगुन्तक कक्ष का निरीक्षण कर प्रतिदिन आने वाली शिकायतों एवं निस्तारण के स्थिति की जानकारी ली। उसके बाद उन्होंने फोरेंसिक यूनिट व अपराध शाखा, प्रधान लिपिक शाखा, आईजीआरएस कार्यालय, जन शिकायत प्रकोष्ठ, महिला सम्मान प्रकोष्ठ, पेशी कार्यालय, रिकॉर्ड रुम, पत्रावली शाखा, डीसीआरबी शाखा, थाना साइबर अपराध, स्वाट टीम, डॉग स्क्वाड, मिसिंग सेल, नारकोटिक्स सेल, सर्विलांस सेल।

विशेष जांच प्रकोष्ठ शाखा, रिट सेल, मानवाधिकार शाखा, पासपोर्ट शाखा, साइबर हेल्प सेन्टर, स्थानीय अभिसूचना इकाई कार्यालय आदि शाखाओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शाखाओं में नियुक्त अधिकारी व कर्मचारियों से वार्ता कर उनके कार्यों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान शाखाओं के अभिलेखों के रख-रखाव को चेक किया गया तथा साफ-सफाई रखने तथा राजकीय कार्य समय से सम्पादित करने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

डीआईजी कलानिधि नैथानी ने निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारी/कर्मचारीगण को निम्नांकित निर्देश दिये गये। फील्ड यूनिट में नियुक्त मु0आ0 740 मनोज कुमार को एफएसएल किट की अच्छी जानकारी होने पर पुरस्कृत किया गया।

सेहत/स्वास्थ्य

बदलते मौसम में सर्दी-खांसी को दूर करेंगे ये 9 एंटी-इंफ्लेमेटरी फूड, जो कि किफायती भी है

फरवरी के महीने में सर्दी धीरे-धीरे कम होने लगती है। बदलते मौसम में सर्दी-जुकाम और खांसी होना आम बात है। ऐसे में अपनी सेहत पर ध्यान रखना भी काफी जरुरी है। इसलिए आपको इन 9 एंटी-इंफ्लेमेटरी चीजों का सेवन करें।

दिव्यांशी भदौरिया

बदलते मौसम में सेहत का ध्यान रखना काफी जरुरी होता है। फरवरी के महीने में धीरे-धीरे सर्दी जाने लगती है, जिस वजह से कई लोग गर्म कपड़े पहना बंद कर देते हैं, जिस कारण वे बीमार पड़ने लगते हैं। इस मौसम में सेहत का ध्यान रखना काफी जरुरी है। इसके साथ ही आप किन चीजों का सेवन कर रहे हैं, इससे भी सेहत पर काफी असर पड़ता है। अगर आप एंटी-इंफ्लेमेटरी फूड का सेवन करते हैं, तो आपकी हेल्द बढ़िया रहेगी। खांसी-जुकाम का खतरा नहीं होगा। इसके साथ ही हेल्थ को भी कई फायदे होंगे। आइए आपको बताते हैं बदलते मौसम में किन एंटी-इंफ्लेमेटरी रिच फूड्स का सेवन करना चाहिए।

हल्दी

हल्दी में करक्यूमिन का मात्रा सबसे अधिक होता है, जो इंफ्लेमेशन से लड़ने में मदद करता है और अपने पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट और हीलिंग गुणों के साथ ही पूरे हेल्थ के लिए लाभदायक है। इस मौसम में हल्दी का दूध पीने से सर्दी-खांसी और जुकाम से छुटकारा मिल जाएगा।

लहसुन

लहसुन में एलिसिन होता है जो सूजन को कम करने में मदद करता है और हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को स्वस्थ बनाएं रखता है और इम्यूनिटी भी मजबूत होती है। लहसुन के सेवन से सर्दी-खांसी दूर हो जाएगी। लहसुन को भूनकर सेवन करने से खांसी में आराम मिलता है।

अदरक

बदलते मौसम में जुकाम-खांसी ज्यादा परेशान करती है। इसके लिए आपको इन एंटी-इंफ्लेमेटरी चीजों का सेवन करना जरुर चाहिए। अदरक मल्टीपरपज से कम नहीं है। यह इंफ्लेमेशन कम करती है। इसके साथ ही डाइजेशन को भी ठीक करता है। इम्यूनिटी को भी मजबूत करती है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी सेहत के लिए काफी हेल्दी मानी जाती है। ग्रीन टी में मौजूद कैटेचिन इंफ्लेमेशन और ब्लोटिंग दोनों को कम करने में मदद करता है। यह वेट को मैनेज करने में भी मदद करती है।

विटामिन सी रिच फल

इस मौसम में नींबू, संतरा, मौसमी खाना सबसे अच्छा माना जाता है। नींबू, संतरा, और मौसमी में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होती है। इसके साथ ही यह इम्यूनिटी बूस्ट करता है और स्किन हेल्थ में भी काफी सुधार बना रहता है।

पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने से शरीर स्वस्थ बना रहता है। हरी सब्जियों में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनरल्स मौजूद होते हैं, जो सूजन लड़ने में मदद करता हैं। इसके साथ ही पाचन में भी सहायता रहती है और ओवरऑल स्वस्थ भी बढ़िया रहता है। इसके साथ ही इम्यूनिटी भी बूस्ट होती है।

टमाटर

टमाटर खाने से स्वास्थ्य को कई फायदे होते हैं। टमाटर में लाइकोपीन होता है जो सूजन को कम करने में मदद करता है। इसके साथ ही हेल्थ में काफी सुधार लेकर आता है। टमाटर का सेवन करने से स्किन को भी काफी फायदा मिलता है और शरीर भी एनर्जिट बना रहता है।

सूखे मेवे और बीज

ड्राई फ्रूट्स और सीड्स सेवन करने से हेल्थ को कई फायदे मिलते हैं। इनमें ओमेगा 3 फैटी एसिड होता है, जो इंफलेमेशन कम करता है, मास्तिष्क की कार्यप्रणाली बेहतर बनाता है और हार्ट हेल्थ को भी बढ़ावा देता है।

प्याज

प्याज में सबसे ज्यादा केरसेटिन पाया जाता है। यह सूजन को कम करता है, जिससे हार्ट हेल्थ में भी काफी सुधार होता है और पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट लाभ देता है।

ब्यूटी / फैशन

ग्लोइंग स्किन पाने के लिए इन 4 ड्रिंक का करे सेवन, बड़े ही कम का है यह नुस्खा

दिव्यांशी भदौरिया

ग्लोइंग स्किन पाने की सबकी चाहत होती है। लेकिन फिर भी चेहरे पर एक्ने और झुर्रियां सब बिगड़ देती है। त्वचा को निखारने के लिए न जाने हम सभी क्या-क्या नहीं करते। महंगे-महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स का यूज करते हैं। लेकिन तब भी स्किन साफ नहीं होती है। आइए आपको बताते हैं नेचुरल तरीके से ग्लोइंग स्किन कैसे बना सकते हैं।

इस लेख में हम आपको बताएंगे इस लेख में 4 अलग-अलग तरह की फायदेमंद ड्रिंक के बारे में बताने जा रहे हैं। जो आपके स्किन को नेचुरली ग्लोइंग बना सकते हैं। चलिए आपको बताते हैं इन ड्रिंक्स को कैसे बनाएं।

एबीसी जूस

ग्लोइंग स्किन पाने की चाह रखने वाले अब आप इस फामूर्ला जिसका नाम एबीसी के नाम से जाना जाता है। यह तरह-तरह का जूस जिसमें ए से एप्पल, बी से बीटरूट और सी से कैरेट होता है। इन 3 चीजों से बना जूस हमारी स्किन को अंदर से डिटॉक्स करता है और खून साफ करने में काम करता है।

रेड जूस

चेहरे को ग्लोइंग स्किन बनाने के लिए अगर आप एबीसी जूस नहीं पीना चाहते हैं जो रेड जूस जरुर पिएं। इसे बनाने के लिए गाजर, अनार, आंवला, पुदीना और अदरक का इस्तेमाव किया जाता है। इतना ही नहीं, यह आपके गट को हेल्दी रखने में मदद करता है और जब गट हेल्दी रहेगा तो स्किन अपने आप स्वस्थ रहेगी।

विटामिन सी जूस

ग्लोइंग स्किन के लिए विटामिन सी बेहद जरुरी माना जाता है। ग्लोइंग स्किन के लिए कई तरह के सीरम का यूज करते हैं, जिनमें विटामिन सी सीरम जरुर शामिल होते हैं। आप चाहें तो पाइनएप्पल, मौसमी, अदरक और गाजर से बना विटामिन सी रिच जूस पीकर आप स्किन को साफ और चमकदार बना सकते हैं। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स आपके चेहरे से दाग-धब्बों को भी कम करता है।

ग्रीन जूस

अब आपको स्किन स्पेशलिस्ट के पास जाकर अपनी त्वचा को डिटॉक्स करने के लिए इंजेक्शन लेने कोई जरुरत नहीं है, नूट्रिशनिस्ट अविन्का भल्ला का बताया ग्रीन जूस बनाने का तरीका बताया है। आप इसको बनाने के लिए सेब, खीरा, धनिया और नींबू का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आपकी त्वचा को निखारने में काफी मदद करेगा।

पर्यटन

राजस्थान के राजपूताना वास्तुकला का शानदार उदाहरण है नीमराना किला

नीमराना राजधानी जयपुर से लगभग 122 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जो आसानी से सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, दिल्ली से भी यह 130 किलोमीटर दूर है, और यहां तक पहुंचने के लिए पर्यटक ट्रेन, बस या कार का उपयोग कर सकते हैं।

प्रीटी

राजस्थान के अलवर जिले में स्थित नीमराना एक ऐतिहासिक शहर है, जो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, प्राचीन किलों और शांतिपूर्ण वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। यह जगह भारतीय इतिहास, वास्तुकला और संस्कृति के प्रेमियों के लिए एक आदर्श पर्यटन स्थल है। नीमराना का किला यहां का प्रमुख आकर्षण है, जो इस स्थान को दुनियाभर में प्रसिद्ध बनाता है। आइए, जानते हैं नीमराना के बारे में कुछ रोचक जानकारी।

1. नीमराना किला

नीमराना किला, जो कि 15वीं शताब्दी का ऐतिहासिक किला है, इस स्थान का मुख्य आकर्षण है। किला राजस्थान के राजपूताना वास्तुकला का शानदार उदाहरण है। यह किला लगभग 12 एकड़ भूमि में फैला हुआ है और यहां से पूरे नीमराना शहर का सुंदर दृश्य देखा जा सकता है। किला अब एक प्रसिद्ध होटल के रूप में परिवर्तित हो चुका है, जहां पर्यटक रुक सकते हैं और इस ऐतिहासिक किले का अनुभव कर सकते हैं। किले में एक शानदार स्विमिंग पूल, स्पा, रेस्टोरेंट और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

2. नीमराना की ऐतिहासिकता

नीमराना का इतिहास काफी रोचक और पुराना है। यह किला नीमराना परिवार द्वारा 1464 में बनवाया गया था। किले का निर्माण उस समय के राजपूत साम्राज्य के महलों और किलों के अनुकूल किया गया था। नीमराना का नाम 'नीम' (नीम के पेड़) और 'राणा' (शासक) शब्दों से मिलकर पड़ा है, और इसका एक रोमांटिक इतिहास भी है। किले का डिजाइन और संरचना आज भी पर्यटकों को आकर्षित करती है।

3. पर्यटन के अन्य आकर्षण

नीमराना के किले के अलावा, यहाँ कुछ अन्य आकर्षक स्थल भी हैं:

वामदेव मंदिर: यह प्राचीन मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। मंदिर में शांति का वातावरण और अद्भुत स्थापत्य कला देखने को मिलती है।

बीलू और सुरजकुंड: यह स्थल प्राकृतिक सुंदरता और शांति का अनुभव करने के लिए आदर्श है। यहां पर पर्यटक प्रकृति के सौंदर्य का आनंद ले सकते हैं।

नीमराना झील: यह झील किले के पास स्थित है और पर्यटकों को यहां पिकनिक मनाने और प्राकृतिक दृश्य का आनंद लेने का अवसर मिलता है।

4. कैसे पहुंचे नीमराना?

नीमराना राजधानी जयपुर से लगभग 122 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जो आसानी से सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, दिल्ली से भी यह 130 किलोमीटर दूर है, और यहां तक पहुंचने के लिए पर्यटक ट्रेन, बस या कार का उपयोग कर सकते हैं। नीमराना के पास का सबसे निकटतम रेलवे स्टेशन अलवर है, जो इस स्थान से लगभग 30 किलोमीटर दूर स्थित है।

5. आवास और खाने की व्यवस्था

नीमराना में विभिन्न प्रकार के होटलों और रिसॉर्ट्स की सुविधा उपलब्ध है, जिनमें से नीमराना किला एक प्रमुख स्थान है। यहाँ पर्यटक ऐतिहासिक माहौल में आराम करने का अनुभव कर सकते हैं। इसके अलावा, यहां के रेस्टोरेंट्स में राजस्थान की पारंपरिक रेसिपी का आनंद भी लिया जा सकता है, जिसमें दाल बाटी चूरमा, गट्टे की सब्जी और राजस्थान की स्वादिष्ट मिठाइयां प्रमुख हैं।

6. सर्वश्रेष्ठ समय

नीमराना घूमने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च के बीच होता है, जब मौसम ठंडा और आरामदायक रहता है। गर्मियों में यहां का तापमान बहुत ज्यादा हो सकता है, इसलिए इस मौसम में यात्रा से बचने की सलाह दी जाती है। नीमराना एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर से भरपूर स्थल है, जो पर्यटकों को एक अद्भुत अनुभव प्रदान करता है। यहां का किला, मंदिर, और प्राकृतिक दृश्य न केवल रोमांचक हैं, बल्कि भारतीय इतिहास और संस्कृति को जानने का भी एक बेहतरीन अवसर देते हैं। अगर आप भी राजस्थान की खूबसूरत और ऐतिहासिक यात्रा करना चाहते हैं, तो नीमराना एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

घरेलू नुस्खे

अब नहीं फटेगा पराठा बनाते समय इन जरुरी टिप्स को फॉलो करें, फूले-फूले बनेंगे पराठें

ज्यादातर महिलाओं को पराठे बनाने में काफी समस्याओं को सामना करना पड़ता है। जब वे पराठें बनाती तो बेलते समय पराठे फटने लगते हैं। यहां बताई गई ट्रिक्स आपको बिल्कुल परफेक्ट स्टफ पराठा बनाने में मदद करेगा।

दिव्यांशी भदौरिया

सर्दियों के दौरान आलू और गोभी का पराठा खूब खाया जाता है। सुबह-सुबह नाश्ते में कई घरों में पराठें जरुर बनते हैं। कई लोगों को पराठा खाने का शौक भी होता है। लेकिन जब पराठें बनाते हैं तो स्टाफिंग के कारण वो फटने लगते हैं। लेकिन अब आप इन टिप्स को फॉलो करेंगी तो आपके पराठें एकदम में परफेक्ट बनेंगे। चलिए आपको इन टिप्स के बारे में बताते हैं।

नहीं फटेगा आपका पराठा

- सबसे पहले जरुरी है कि सही तरह से आटा गूंदना, जिससे बेलते समय आपके पराठें का स्टाफ नहीं फटेगा। इसके अलावा आटा गूंदते समय उसमें एक चम्मच बेसन और चम्मच घी मिला लें। इसके बाद गुनगुने पानी से आटा को गूंदें, जिससे आटा मुलायम होगा और परांठा भी नहीं फटेगा।

- ऐसे कई लोग है जो आटा गूंदने के तुरंत बाद परांठा बनाना शुरू कर देते हैं, जिसके कारण परांठा अच्छा नहीं बन पाता है। आटा गूंदने के बाद कम से कम 10 से 15 मिनट तक इसे ढककर रख दें। ऐसा करने से ग्लूटन सेट होता और आपका परांठा भी स्वादिष्ट बनेगा।
- पराठें के लिए स्टाफ तैयार करते समय सब्जियों से अतिरिक्त पानी निकाल लें। उबले आलू से नमी कम करने के लिए उसे फ्रिज में रख दें। जैसा कि- गोभी, मूली और मेथी जैसी सब्जियों को निचोड़कर पानी निकाल लीजिए।
- जब आप पराठें बनाएं तो डबल लेयर वाला बनाएं। रोटी बेलकर आधे हिस्से पर स्टाफिंग रखें और फिर रोटी को बीच से मोड़ दें।

आधे हिस्से पर भरानवन लगाकर रोटी को दोबारा मोड़ें और तिकोना आकार दें। फिर पराठे को बेलकर तवे पर सेंक लीजिए।

- भरावन कम होने पर पराठें में कोई स्वाद नहीं रहता है, इसलिए ज्यादा भरावन होने से पराठा बेलना मुश्किल हो जाता है जिस कारण से पराठा फटने लगता है। यदि आप टेस्टी और खूबसूरत भरावन परांठा बनाना चाहती है, तो ऐसे में भरावन की मात्रा का ध्यान रखें।

गाजियाबाद ग्रुप मुख्यालय एनसीसी का अद्धितीय प्रदर्शन

उत्तर प्रदेश एनसीसी डायरेक्ट्रेट के सभी ग्रुप में प्राप्त किया सर्वोच्च स्थान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। युवाओं मे एकता और अनुशासन के साथ एन सी सी का मुख्य उद्देश्य चरित्र निर्माण कर अच्छे नागरिक बनाना है - अपर महानिदेशक एन सी सी मेजर जनरल विक्रम कुमार राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन सी सी) दुनिया का सबसे बड़ा वदीर्धारी युवा संगठन है। यह संगठन देश के युवाओं को अनुशासन, चरित्र निर्माण, नेतृत्व ,देश भक्ति जैसे मूल सिद्धांतों के साथ साथ राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है। कैडेट्स के लिए विभिन्न स्तर पर आयोजित शिविर जो प्रशिक्षण का रोमांचक और सार्थक हिस्सा होते है, के माध्यम से एन सी सी कैडेट प्रत्येक राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करते हुए गणतंत्र दिवस परेड के लिए विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए अपने श्रेष्ठ कैडिटस का दल भेजते हैं। इसी क्रम में विभिन्न वार्षिक सैन्य प्रतियोगिताएं, थल सेना कैंप, खेल कूद प्रतियोगिता आदि में बेहतरीन प्रदर्शन कर विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते हैं। इसी के अंतर्गत गाज़ियाबाद ग्रुप के तत्वावधान मे वर्ष 2024 में आयोजित प्रतियोगिताओं के आधार पर गाजियाबाद एनसीसी ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर कुलविंदर सिंह (सैना मेडल) के निर्देशन में भेजे गये विभिन्न कैडेट टीम ने उत्तर प्रदेश निदेशालय स्तर पर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि में ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर कुलविंद्र सिंह (एस एम) ने एनसीसी निदेशालय बैनर को गणतंत्र दिवस परेड के उपरांत राज्य भवन में आयोजित दीक्षांत समारोह के दौरान उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के कर कमलों से ग्रहण किया। एनसीसी ग्रुप गाज़ियाबाद द्वारा निदेशालय बैनर प्राप्त करना गाज़ियाबाद ग्रुप के सभी ऑफि सर्स ,ए एन ओ,जे सी ओ,पी आइ स्टाफ एवं एन सी सी कैडेट्स के लिए बहुत ही गर्व की बात है। इसी के अनुक्रम में शुक्रवार को अपर महानिदेशक एनसीसी डायरेक्टोरेट उत्तर प्रदेश, मेजर जनरल विक्रम कुमार ने गाज़ियाबाद ग्रुप मुख्यालय पहुंचकर सभी को शुभकामनाएं दी तथा भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन कर अपने ग्रुप के साथ साथ अपने प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। अपर महानिदेशक ने 35 यू पी वाहिनी एन सी सी मोदीनगर का निरीक्षण भी किया और उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा ऑगेर्नाइजेशन की मजबूती के लिए एन सी सी के ध्येय एकता और अनुशासन के दृष्टिगत अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए अपने संकल्प को दोहराया। इस दौरान वाहिनी की व्यवस्थाओं की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए जरनल कुमार ने बताया कि एन सी सी समाज और राष्ट्र निर्माण में भावी योगदान देने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

इससे पूर्व वाहिनी के कमान अधिकारी कर्नल पी के सिंह ने अपर महानिदेशक की अगवानी की और एनसीसी कैडेट्स ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। मोदी कॉलेज के एनसीसी अधिकारी प्रवीण जैनर ने बताया कि ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर कुलविंदर सिंह (एस एम) ने सभी कैडेट्स को एक अच्छे नागरिक बन राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया और भविष्य में ओर बेहतर प्रदर्शन कर उत्तर प्रदेश निदेशालय को गौरान्वित करने हेतु अग्रिम शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर वाहिनी के समस्त ऑफिसर्स एवं संबंधित स्टाफ उपस्थित रहे।

विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने किया ग्राम नगला बैर में विकास कार्यों का उद्घाटन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। विधानसभा क्षेत्र में विधायक द्वारा निर्मित कार्यों का उद्घाटन विधायक डॉ मंजू शिवाच ने फीता काटकर किया। ग्राम नगला बैर में दो श्मशान घाट में विधायक निधि द्वारा अंत्येष्टि स्थल पर टीन शेड व इंटरलॉकिंग टाइल्स का निर्माण कार्य। जिसका लगत मूल्य 19.526 लाख है ।ग्राम कलछीना में श्मशान घाट में विधायक निधि द्वारा टीन शेड व इंटरलॉकिंग टाइल्स का निर्माण कार्य जिसका लगत मूल्य 7.00 लाख है। ग्राम नाहली में काली सड़क से नजरु के खेत तक विधायक निधि द्वारा इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण कार्य, जिसका लगत मूल्य 19.76 लाख है। इस अवसर पर रोहित तोमर (मंडल अध्यक्ष), संजय चौधरी, गिरवर प्रधान,धर्मपाल ,अनिल शर्मा, वीरेंद्र सिंह, सतवीर सिंह, इमरान प्रधान, अनीला आर्य, हसीन, सलमान, इसरार, वारिस राजकुमार, दिलशाद आदि उपस्थित रहे।

सारा गांव के अजय त्यागी ने जीता राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण

मोदीनगर। तहसील के गांव सारा निवासी अजय त्यागी पुत्र राकेश त्यागी ने 42वें राष्ट्रीय खेलों में जो उत्तराखंड में आयोजित हो रहे हैं सेना की तरफ से खेलते हुए रोइंग स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है 25 मार्च से ऑस्ट्रेलिया में होने वाले अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में यह भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे उनके इस कामयाबी से पूरे गांव में खुशी का माहौल है और मिठाई बाटी जा रही है। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता राजीव त्यागी, ग्राम प्रधान संजय कुमार संजय नेताजी ने अजय के उज्जवल भविष्य की कामना की है सारा गांव निवासी व खो खो वर्ल्ड कप में भारत की तरफ से अहम भूमिका निभाने वाले डॉक्टर अरुण त्यागी ने कहा की अजय में वह दम और खूबियां हैं कि आने वाले समय में वह एशियाई व ओलंपिक खेलों में भी भारत का प्रतिनिधित्व कर पदक जीतेगा।

नींव द स्कूल के छात्रों के लिए दिल्ली टूर का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर । 'नींव द स्कूल', में 7 फरवरी को छात्र-छात्राओं के लिए दिल्ली टूर का आयोजन किया गया। इस टूर में छात्र-छात्राओं ने दिल्ली में लोटस टेंपल ,लाल किला एवं इंडिया गेट का भ्रमण किया` छात्र-छात्राओं ने भिन्न-भिन्न स्थान के बारे में जानकारी प्राप्त की। छात्र-छात्राओं के साथ उनके कक्षा अध्यापक भी मौजूद रहे इस तरह के टूर बच्चों के लिए मनोरंजन एवं ज्ञान दोनों का ही साधन होते हैं। सभी छात्र-छात्राओं ने इस टूर का भरपूर लाभ उठाया एवं नींव द स्कूल' के प्रबंधक अमित अग्रवाल का धन्यवाद प्रकट किया।

बालबाडी पब्लिक स्कूल में फेयरवेल पार्टी का आयोजन

मोदीनगर। बाल बाडी पब्लिक स्कूले कादराबाद मे फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ निर्देशके विनय रूहेला, प्रधानाचार्या श्रीमती डा० नीरू जोशी ने दीप प्रज्जवलित करे हवन करके किया। जिसमें सभी विद्यार्थी व शिक्षकगण उपस्थित रहे। प्रसाद वितरण किया गया। विभिन्न छात्र-छात्राओ ने नृत्य एवं रैप वाक आदि के इस कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। सभी छात्र एवं छात्राओं ने प्रतियोगिताओं मे हिस्सा लिया। विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया । स्कूल के चेयरमैन संजय जैन निर्देशक विनय रोहिलो प्रधानाचार्या श्रीमती नीरू जोशी व सभी शिक्षकों ने सभी विद्यार्थियों को कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए आशीर्वाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

लक्की ड्रा के विजेताओं को किया सम्मानित

विजेताओं को स्कॉर्पियो गाड़ी, बुलेट, स्कूटी और आईफोन पुरस्कार स्वरूप भेंट किये

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। आरएन कलैक्शन सेंटर द्वारा शौरुम पर आयोजित एक कार्यक्रम में लक्की ड्रा विजेताओं को उनके पूर्व में निकले पुरस्कार वितरित किए गए । विजेताओं को प्रथम को स्कॉर्पियो गाड़ी, दूसरे को बुलेट मोटरसाइकिल, तीसरे को स्कूटी और चौथे को आईफोन पुरस्कार स्वरूप भेंट किये।

उल्लेखनीय है कि सीकरी कलां के निकट हाईवे पर स्थित एक फार्म हाउस में रेडीमेड कपड़ों के विशाल शोरूम आरएन कलैक्शन सेंटर द्वारा 31 दिसंबर को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में लकी ड्रा के जरिए निकाले गए। आर एन रिसोर्ट फार्म हाउस के प्रांगण में आयोजित भव्य पुरस्कार वितरण समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक डॉ मंजू सिवाच द्वारा किया गया था। मुख्य अतिथि डॉ मंजू शिवाच ने अपने संबोधन में आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि व्यावसायिक प्रतिद्वंद्विता की अंधी दौड में शामिल होने की बजाय अन्य सही तरीकों से भी व्यवसाय को आगे बढ़ाया जा सकता है।

इस दौरान लकी ड्रॉ द्वारा निकाले गए। बता दे कि भगवानगंज मंडी स्थित रेडीमेड गारमेंट शोरूम आर एन कलेक्शन सेंटर ने एक स्कीम के तहत हर दस हजार रूपए तक की खरीद पर एक कूपन ग्राहकों को दिया था। जिसमें चार बड़े इनाम स्कॉर्पियो, बुलेट, स्कूटी तथा आईफोन के अलावा अनेक सांत्वना पुरस्कार भी रखे गए थे।

इसी स्कीम के भाग्यशाली विजेताओं को लकी ड्रा के जरिए चुनने के लिए आरएन कलेक्शन सेंटर द्वारा साल के अंत में यह पुरस्कार वितरण समारोह आज आयोजित किया गया था। आयोजक वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ पवन सिंघल ने सभी भाग्यशाली विजेताओं को बधाई दी।इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री रामकिशोर अग्रवाल, अरविंद अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

भारतीय किसान यूनियन तेवतिया ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। भारतीय किसान यूनियन तेवतिया ने ग्रेटर नोएडा गौतम बुद्धनगर दादरी में एसडीएम कोर्ट जाकर 9 तारीख को होने वाले टोल प्लाजा धरना प्रदर्शन के बारे में ज्ञापन सौंपा और धरने प्रदर्शन से अवगत कराया। बता दें कि भारतीय किसान यूनियन तवेतिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव चौधरी तवेतिया और कार्यकताओं ने एसडीएम को गुलदस्ता देकर सम्मानित किया। यह भी बता दें कि लुहाली टोल प्लाजा पर लगभग एक महीना पहले लेटर दिया था जिसमें आगामी 9 तारीख को सैंकड़ो कार्यकताओं द्वारा टोल प्लाजा पर अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन करने पर मजबूर किया जा रहा है । बता दें कि किसानों की हो रही असुविधा के लिए किसान धरने पर बैठेंगे। इस दौरान भारतीय किसान यूनियन तेवतिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव सिंह, प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह, जिला अध्यक्ष नवीन कुमार आदि किसान मौजूद रहे।

आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व कैंसर दिवस मनाया गया

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज में वैश्विक स्तर पर जागरूकता फैलाने के लिये कार्यरत संस्था यूनियन फॉर इंटरनेशनल कैंसर कंट्रोल द्वारा रखी गई यूनाइटेड बाय यूनिक थीम पर विश्व कैंसर दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर कॉलेज परिसर तथा शिविर स्थल ग्राम मथुरापुर, कस्बा मुरादनगर, वृद्धाश्रम एवं गॉव सुल्तानपुर में कैंसर की रोकथाम के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। संस्थान की ओपीडी में माइक्रो-ग्रुप जागरूकता सहित कई कार्यक्रम किये गये तथा शिविर स्थल पर आने वाले सभी रोगियों को मौखिक कैंसर के बारे में पर्चे बांटे गये तथा धुम्रपान, तंबाकू की आदतों को छोड़ने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही शिविर स्थल ओल्ड एज होम दुहाई तथा आईटीएस डेंटल कॉलेज में सभी मरीजों की मौखिक कैंसर की जांच की गई। नगर में तंबाकू उत्पादों की बिक्री करने वाले दुकानदारों को सीओटीपीए अधिनियम 2003 का सख्ती से पालन करने और 18 वर्ष से कम उम्र के व्यक्ति को तंबाकू उत्पाद न बेचने के लिए प्रेरित किया गया। कैंसर के प्रति जागरूकता हेतु आयोजित कार्यक्रम के लिए सभी प्रतिभागियों ने ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा, वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, सेक्रेट्री बी के अरोड़ा तथा डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ देवी चरण शेट्टी का आभार व्यक्त किया।